सुविचार

यह मत भूलें कि जो शरीर व मस्तिष्क ईश्वर ने विश्व के सबसे सफल व्यक्ति को दिया है, वही आपको भी दिया है। बस आपको उसका उपयोग कैसे करना है, यह आप तय करेंगे।

RNI : RAJHIN13216/2005

दैनिक
गरीबों का सितारा

।। दशकों पुराना साथ ।। निष्पक्ष कलम निर्भीक आवाज

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार" हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

वर्ष: 17 अंक: 280 पेज: 8 मूल्य 01 रु. जयपुर, बुधवार 3 मई, 2023 Email: garibonkasitara@gmail.com

जयपुर में ऑडी डिवाइडर से टकराई, चार की मौत

ओवर स्पीड कार के एयरबैग भी नहीं बचा सके जान, मरने वालों में 3 लड़कियां; 2 गंभीर घायल

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में रिंग रोड के पास ओवर स्पीड ऑडी कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी में सवार तीन युवतियों समेत चार की मौत हो गई। दो गंभीर घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में एक युवक रिटायर्ड आर्मी अफसर का बेटा है। कार उसी युवक के नाम है। पुलिस के अनुसार, कार की स्पीड 120 से अधिक थी। चाकसू रत्नड भूरी सिंह ने बताया- हादसा सोमवार देर रात 3 बजे शिवदासपुरा इलाके स्थित रिंग रोड पर हुआ। ऑडी कार सवार युवक-युवती अजमेर की तरफ से जयपुर आ रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का ड्राइवर साइड का हिस्सा पूरी तरह खत्म हो गया। कार का इंजन बाहर निकलकर रोड पर आ गया। वहीं, ड्राइवर साइड का टायर एक्सल से टूटकर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरा। उन्होंने बताया कि डिवाइडर से टकराते ही कार के दोनों एयरबैग खुल गए थे, लेकिन वह भी जान नहीं बचा पाए। जल्द जयपुर लौटने के चलते ओवर स्पीड में कार चलाई जा रही थी। टोंक रोड पर उतरने का अचानक याद आने पर ओवर स्पीड कार मोड़ते ही कट पर डिवाइडर से टकराने से हादसा हो गया। एसीपी मानसरोवर अभिषेक शिवहरे ने बताया कि कार में कुल छह लोग सवार थे। इनमें तीन लड़के और तीन लड़कियां थीं। सूचना पर शिवदासपुरा, चाकसू और सांगानेर सदर की पुलिस मौके पर पहुंच गई है। पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे युवक-युवतियों को बाहर निकाला। गंभीर हालत में सभी को हॉस्पिटल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन युवतियों और एक युवक को मृत घोषित कर दिया। घायल दो लोगों को गंभीर हालत में प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया।

मरने और घायलों में ये शामिल

शिवदासपुरा थाना के एसआई हसन अली ने बताया कि मरने वालों में राजेश सिंह (28) पुत्र रामस्वरूप निवासी निवारू रोड झोटवाड़ा, घनुशा (24) पुत्री सुनील निवासी केरल, आर्या (25) पुत्री संजय कुमार निवासी उत्तर प्रदेश और अंशिका (25) पुत्री अनिल कुमार मिश्रा है। हादसे में शुभ शर्मा (26) पुत्र महेश शर्मा निवासी लालनपुरा और यश गर्ग (27) पुत्र ओम प्रकाश निवासी गणेश नगर वैद्यजी का चौराहा झोटवाड़ा घायल हुए। एसआई ने बताया कि राजेश सिंह के पिता आर्मी से रिटायर्ड अफसर हैं। राजेश ही हादसे के वक्त कार चला रहा था।

घोषणापत्र में कांग्रेस का ऐलान- बजरंग दल को बैन करेंगे

पीएम बोले- पहले इन्होंने श्रीराम को ताले में बंद किया, अब बजरंगबली की बारी है

सितारा न्यूज नेटवर्क

बेंगलुरु। कांग्रेस ने मंगलवार को कर्नाटक विधानसभा के लिए अपना घोषणा पत्र जारी किया था। इसमें कांग्रेस ने सरकार बनने पर बजरंग दल जैसे संगठनों को बैन करने का वादा किया है। इस पर अब पीएम नरेंद्र मोदी ने जवाब देते हुए कहा- ये वही कांग्रेस है जिसने पहले श्रीराम को ताले में बंद किया, अब बजरंगबली को बंद करने की बात कह रहे। पीएम ने यहां अयोध्या में राम लला मंदिर वाली घटना का जिक्र किया, उस वक्त कांग्रेस सरकार थी। कांग्रेस ने घोषणा पत्र जारी करते हुए बजरंग दल और ढत्रक्क का जिक्र करते हुए कहा था कि धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वालों पर एक्शन लेंगे। जवाब में ढट मोदी ने विजय नगर की रैली में कहा- आज हनुमान जी की इस

पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल को बैन करने का ऐलान कर दिया।

कांग्रेस ने यूथ वोटर्स को साधने के लिए भी घोषणाएं की हैं

कांग्रेस ने हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को हर महीने 2 हजार रुपए देने की घोषणा की है। पार्टी ने यूथ वोटर्स को साधने के लिए भी घोषणाएं की हैं। इसके तहत बेरोजगार ग्रेजुएट को दो साल के लिए 3 हजार रुपए और डिप्लोमा होल्डर्स को 1,500 रुपए प्रति माह देने का ऐलान किया है। इसके अलावा राज्य सरकार की बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा का भी वादा किया है।

मोदी सरनेम मानहानि केस राहुल को फौरी राहत नहीं

छुट्टियों की वजह से गुजरात हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा, जून में आएगा आदेश

सितारा न्यूज नेटवर्क

अहमदाबाद। मोदी सरनेम मानहानि केस में राहुल गांधी की अपील पर गुजरात हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। राहुल ने 2019 के मामले में खुद को दोषी ठहराए जाने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने मंगलवार को राहुल गांधी को इस मामले में कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस हेमंत प्रच्छक छुट्टियों के बाद इस मामले में फैसला सुनाएंगे। 5 मई को हाईकोर्ट का आखिरी वर्किंग डे है। इसके बाद गर्मी की छुट्टियों की वजह से कोर्ट अगले महीने 5 जून को खुलेगा। इसके बाद ही इस पर फैसला आ सकता है। 27 अप्रैल को कोर्ट में राहुल की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी दलीलें रखीं थीं।

82 साल के शरद पवार ने NCP अध्यक्ष पद छोड़ा

कार्यकर्ता मानने को तैयार नहीं; अजित बोले- साहब ने समय मांगा, फैसले पर विचार करेंगे

सितारा न्यूज नेटवर्क

मुंबई। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने 17 अप्रैल को कहा था कि 15 दिन में महाराष्ट्र की राजनीति में दो बड़े विस्फोट होंगे। बयान के ठीक 16वें दिन यानी 2 मई को 12:45 बजे 82 साल के शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) का अध्यक्ष पद छोड़ने का ऐलान कर दिया। पवार ने कहा कि वो इस्तीफा देने जा रहे हैं। उन्होंने इसकी वजह नहीं बताई है। शरद पवार ने इस्तीफे में लिखा, 'मेरे साथियों! मैं ठउढ के प्रेसिडेंट का पद छोड़ रहा हूं, लेकिन सामाजिक जीवन से रिटायर नहीं हो रहा हूं। लगातार यात्रा मेरी जिंदगी का अटूट हिस्सा बन गया है। मैं पब्लिक मीटिंग और कार्यक्रमों में शामिल होता रहूंगा। मैं पुणे, बारामती, मुंबई, दिल्ली या भारत के किसी भी हिस्से में रहूं, आप लोगों के लिए हमेशा की तरह उपलब्ध रहूंगा। लोगों की समस्याएं सुलझाने के लिए मैं हर वक्त काम करता रहूंगा। लोगों का प्यार और भरोसा मेरी सांसें हैं। जनता से मेरा कोई अलगाव नहीं हो रहा है। मैं आपके साथ था और आपके साथ आखिरी सांस तक रहूंगा। तो हम लोग मिलते रहेंगे। शुक्रिया।' शरद पवार मुंबई के वाईबी चव्हाण सेंटर में मंगलवार को अपनी पॉलिटिकल बायोग्राफी 'लोक भूलभुलैया संगति' का विमोचन कर रहे थे। इस किताब के पन्ना नंबर 319 पर उन्होंने लिखा- महाविकास अघाड़ी की सरकार सिर्फ सत्ता का खेल नहीं थी।

कांग्रेस ने कहा- कुश्ती संघ में बृजभूषण परिवार काबिज : दिग्विजय ने पूछा- क्या यह परिवारवाद नहीं? WWE रेसलर कविता दलाल, टिकैत पहुंचे जंतर-मंतर

पानीपत। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पहलवानों के धरने का आज रविवार को 10वां दिन है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने एक ट्वीट कर बृजभूषण, उसके 2 बेटे, दामाद और बेटे के साले के कुश्ती संघ में विभिन्न पदों पर होने पर सवाल खड़े किए हैं। दिग्विजय ने पीएम मोदी से सवाल किया कि क्या यह परिवारवाद नहीं है? वहीं, पहलवानों की ओर से सोशल मीडिया पर एक ऑडियो सार्वजनिक किया गया है। यह ऑडियो कथित तौर पर बृजभूषण के होने का दावा किया गया है। इसमें फोन करने वाले पहलवान से सांसद बोल रहे हैं कि ह्यज्यादा हवा में मत उड़ो, पहलवान बनाना-बिगाड़ना दोनों जानता हूं'। इस ऑडियो में पहलवान को साफ तौर पर कहा गया है कि अभी उसका एक मेडल आया है। 15 साल का लंबा करियर पड़ा है। बृजभूषण उसे अपने कहे के अनुसार चलने को बाध्य करते हुए प्रतीत हो रहे हैं।

मौसम | राजस्थान में 3 दिन बरसात का अलर्ट

अलवर में बारिश के साथ गिरे ओले; फॉरेस्ट ऑफिसर की गाड़ी बही, 14 डिग्री गिरा तापमान

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में इस बार मौसम के उलटफेर ने सभी को चौंका दिया। जहां इन दिनों हर साल 44 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली भीषण गर्मी लोगों को सताती है। वहीं, इस बार सर्दी जैसी धुंध सुबह-सुबह दिखाई दे रही है और मौसम में काफी ठंडक है। मंगलवार दोपहर अलवर के तिजारा, कोटकासिम में तेज हवा के साथ बारिश हुई और ओले गिरे। भिवाड़ी में भी 20 से 25 मिनट तक बरसात हुई। इधर, कई शहरों में बीते दो दिनों में डेढ़ से 2 इंच तक बरसात हुई है। इस कारण दिन का तापमान सामान्य से 14 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम की ये स्थिति अभी अगले 3 दिन और बनी रह सकती है। बारिश के कारण कई बरसाती नदी-नालों में पानी आ गया है। करौली में ऐसे ही एक नाले में फॉरेस्ट ऑफिसर की गाड़ी बह गई। हालांकि ऑफिसर को बचा लिया गया। राज्य में आज की स्थिति देखें तो बीकानेर, हनुमानगढ़, गंगानगर समेत उत्तर राजस्थान के कई हिस्सों में सुबह-सुबह धुंध छाई रही।

अगले 3 दिन पूरे राज्य में आंधी-बारिश का अलर्ट

राजस्थान में मौसम का ये दौर अभी थमने की उम्मीद कम है। क्योंकि आज से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसकी तीव्रता ज्यादा है। एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन पंजाब-हरियाणा पर बना हुआ है, जिसके असर से एक ट्रफ लाइन यहां से गुजर रही है। इस सिस्टम के असर से राजस्थान के उत्तरी हिस्सों गंगानगर, हनुमानगढ़ समेत कई जगहों पर बारिश हो सकती है।

तापमान सामान्य से 14 डिग्री सेल्सियस नीचे

राज्य के कई शहरों में हुई तेज बारिश के बाद मौसम में ठंडक बढ़ गई। अलवर, जयपुर, पिलानी और सिरोही में सोमवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज हुआ, जो अमूमन नंवबर-दिसंबर के महीने में रहता है। सबसे ठंडा दिन सोमवार को अलवर में रहा, यहां दिन का अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो यहां के सामान्य तापमान से 14 डिग्री सेल्सियस कम रहा। मौसम के इस बदलाव के कारण आज उत्तर भारत के कई जिलों में विजीबिलिटी 300 मीटर से भी कम रही।

"सितारे का साथ-आपके हाथ"

अब पढ़े = कहीं भी, कभी भी

आपका पसंदीदा समाचार पत्र
अब पढ़ सकेंगे मोबाईल और कंप्यूटर पर भी

अब अखबार ऑनलाइन वेबसाइट एवं व्हाट्सएप पर भी उपलब्ध

अगर आपको आपके दैनिक अखबार "गरीबों का सितारा" की प्रति प्राप्त नहीं हो रही है तो अब आप मैसेज करके एवं ऑनलाइन माध्यम से भी अखबार पढ़ सकते हैं...

Log in करे : www.garibonkasitara.com

अखबार की पीडीएफ प्राप्त करने के लिए आज ही अपना नाम और क्षेत्र हमें मैसेज करें...
8233553666, 9782527840, 9828853546
या बार कोड स्कैन करे...

।। सन् 1987 से प्रकाशित अखबार ।।

गरीबों का सितारा
निष्पक्ष कलम | निर्भीक आवाज

भारत व राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों हेतु स्वीकृत अखबार
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें...
राजेन्द्र शर्मा (प्रधान सम्पादक) Mob. 7733050125

22°

पूर्वानुमान>	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
अधिकतम>	36°c	36°c	35°c	31°c
न्यूनतम>	22°c	22°c	23°c	21°c

3 मई विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष

अभिव्यक्ति की आजादी और प्रावधान में चौथे स्तंभ की भूमिका : सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

सितारा न्यूज नेटवर्क

अभिव्यक्ति की आजादी की आवश्यकता तो बरसों से महसूस की जा रही थी। विश्व के प्रायः प्रत्येक देशों में तानाशाही प्रवृत्ति बढ़ रही थी शासनाध्यक्षों द्वारा प्रेस की आजादी और उनके कर्मियों के कार्यों में अनुचित रूप से दखलअंदाजी और दबाव का प्रचलन आम हो चुका था। और यही बात होता जब प्रेस की आजादी की आवाजें भारत सहित सारी दुनिया में उठने लगी थी ! जब तक के भारत में अंग्रेज शासन था तब तक अंग्रेजों ने देश की स्वतंत्रता का पूरी तरह से हनन करके रखा हुआ था ! प्रेस पर उनका अंकुश था ! अभिव्यक्ति की आजादी तो मानो थी ही नहीं। अगर कोई थोड़ा भी कुछ न्याय की बातें करता , उसे या तो मार दिया जाता या जेल में ठूंस दिया जाता था ! भारत की स्वतंत्रता पश्चात प्रेस को संविधान के अनुरूप पूरी तरह से स्वतंत्र कर दिया गया, और प्रेस और मीडिया हर लेखक, कवि स्वतंत्र हवा में खुलकर अपनी बातें रखने लगे ! क्योंकि भारत के काल में ऐसा देखने को आने लगा कि भारत की आजादी के बाद प्रेस की स्वतंत्रता और उनके व्यक्तियों जब उनकी कमजोरियों और उनके गलत निर्णयों पर उंगलियां उठाने लगे तो अंकुश की प्रवृति औरयां इनमें भी जाग उठी। शासन और शासित के मध्य में प्रेस पर और उसकी आजादी पर लोगों की अभिव्यक्ति पर तरह-तरह के प्रयोग किए जाने लगे। और उन्हे दबाने का प्रयास किया जाने लगा। यही वह समय था जब वैश्विक रूप से प्रेस की आजादी और स्वतंत्रता के लिए हर तरफ से आवाजें उठने लगीं। जिन पर ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता थी। पहले तो संयुक्त राष्ट्र सभा की तुरंत पहल करते हुए आवश्यक बैठक आहूत की गई, और इस बैठक में यह निर्णय लिया गया की प्रेस की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए कानूनी प्रावधानों का होना अनिवार्य आवश्यक है। और प्रेस की स्वतंत्रता का सुरक्षित रहना भी अत्यंत आवश्यक है। और तब संयुक्त राष्ट्र महासभा एवं यूनेस्को के संयुक्त तत्वाधान में उनके जन सूचना विभाग ने सर्वप्रथम 3 मई 1991 को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस या सिर्फ विश्व प्रेस दिवस के रूप में घोषित किया। 3 मई को सर्वप्रथम प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सरकारों को अधिकार का सम्मान करने और बनाए रखने के उनके कर्तव्य की याद दिलाने के लिए मनाया गया। 1948 के मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विंडहोक घोषणा की वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए, अफ्रीकी अखबार के पत्रकारों द्वारा एक साथ रखे गए, स्वतंत्र प्रेस सिद्धांतों का एक बयान 1991 में विंडहोक के नाम से संस्था स्थापित की गई। जो अनुच्छेद 19 , एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन है। जो दुनिया भर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना की स्वतंत्रता की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इसकी स्थापना 1987 में हुई थी।संगठन का नाम मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुच्छेद 19 से लिया गया है, जिसमें कहा गया है:---"सभी को राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है; अधिकार में बिना किसी हस्तक्षेप के राय रखने और सीमाओं की परवाह किए बिना किसी भी मीडिया के माध्यम से जानकारी और विचार प्राप्त करने, प्राप्त करने और प्रदान करने की स्वतंत्रता शामिल है।" यह"विंडहोक "नाम संगठनों में एक प्रवृत्ति का एक उदाहरण है। जिसका नामकरण संधियों और कानून के वर्गों के बाद किया जाता है, कुछ ऐसा जिसे जाचरी एल्किन्स ने "अध्याय-कविता ब्रांडिंग" कहा है। यह दिन पत्रकारों के खिलाफ अपराधों के लिए दण्ड से मुक्ति के स्तर की ओर ध्यान आकर्षित करता है, जो विश्व स्तर पर बहुत अधिक है। यूनेस्को कीअभिव्यक्ति को दबाने हेतु मारे गए पत्रकारों की वेधशाला के अनुसार, 2006 और 2020 के बीच, दुनिया भर में बारह सौ से अधिक पत्रकार मारे गए हैं ! इन हत्याओं के दस में से नौ मामले न्यायिक रूप से अनसुलझे हैं। चूंकि पत्रकार सभी नागरिकों को तथ्यों की रिपोर्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके खिलाफ हमलों के लिए दंड का विशेष रूप से हानिकारक प्रभाव पड़ता है। जिससे जन जागरूकता और रचनात्मक बहस सीमित हो जाती है। इसके पश्चात 2 नवंबर को, दुनिया भर के संगठनों और व्यक्तियों को अपने देशों में अनसुलझे मामलों के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। और कार्रवाई और न्याय की मांग करने के लिए सरकार और अंतर सरकारी अधिकारियों को पत्र लिखा जाता है। यूनेस्को पत्रकारों की सुरक्षा और दण्ड से मुक्ति के खतरे पर यूनेस्को के महानिदेशक की द्विवार्षिक रिपोर्ट के निष्कर्षों पर एक जागरूकता बढ़ाने वाला अभियान द वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ न्यूजपेपर्स एंड न्यूज पब्लिशर्स "वान-ईफरा" एक गैर-लाभकारी, गैर सरकारी संगठन है ! जो सौ देशों में छिहत्तर राष्ट्रीय समाचार पत्र संघों, बारह समाचार एजेंसियों,दस क्षेत्रीय प्रेस संगठनों और कई व्यक्तिगत समाचार पत्रों के अधिकारियों से बना है। इस एसोसिएशन की स्थापना 1948 में हुई थी। और 2011 तक, विश्व स्तर पर अठ्ठारह हजार से अधिक प्रकाशनों का प्रतिनिधित्व किया। "वान" का उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और उसे बढ़ावा देना है। वहीं समाचार पत्र प्रकाशन के विकास का समर्थन करना और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना है। साथ ही इसने यूनेस्को, संयुक्त राष्ट्र और यूरोप की परिषद के लिए परामर्श प्रदान किया है । इसका सताया कर सकते हैं कि अभी भी इतने प्रावधान हो जाने के बाद भी यह किए गए उपाय अपर्याप्त हैं। इसके लिए आवश्यक है कि और अधिक तत्कालिक घटनाओं व कारणों को देखते हुए ठोस उपाय वह नियम बनाए जाने की नितांत महती आवश्यकता है।

विशेष आलेख

लेखक : सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

पंचाग

दिनांकः- 03 मई 2023 बुधवार
विक्रम संवत2080वैशाख शुक्ल पक्ष

तिथि	त्रयोदशी	23:49:01
पक्ष	शुक्ल	
नक्षत्र	हस्त	20:55:19
योग	हर्शण	11:25:51
करण	कौलव	11:37:52
करण	तैतुल	23:49:01
चन्द्र राशि	कन्या	
सूर्य राशि	मेष	
दिशा शूल	उत्तर	
सूर्योदय(जयपुर)	05:48:39	
सूर्यास्त	18:59:13	
चंद्रोदय	16:50:39	
चंद्रास्त	28:47:21	
राहू काल	12:24-14:03	

शुभ चोघडिया

लाभ	05:49-07:27	शुभ
अमृत	07:27-09:06	शुभ
शुभ	10:45-12:24	शुभ
चर	15:42-17:20	शुभ
लाभ	17:20-18:59	शुभ

विशेष जानकारी:-
प्रदोष व्रत :-आज

ज्योतिषाचार्य
भानुप्रकाश शास्त्री

देश की प्राथमिकता के हिसाब से हो शिक्षा -अध्यक्ष, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। नई शिक्षा नीति 2020 तथा अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के संबंध में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अध्यक्ष न्यायाधिपति श्री नरेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में मंगलवार की सुबह मदरसा बोर्ड भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अल्पसंख्यक समाज के प्रतिनिधि भी आये जिन्होंने अपने- अपने समाज की समस्याओं से न्यायाधिपति को अवगत करवाया व नयी शिक्षा नीति के बारे में अपने सुझाव व्यक्त किए। इस दौरान न्यायाधिपति श्री नरेन्द्र कुमार जैन ने कहा की नई शिक्षा नीति देश की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में धार्मिक शिक्षा के साथ बुनियादी शिक्षा भी जरूरी है, पढ़ - लिखकर बच्चे देश की तरक्की में हिस्सेदार बनें इसका हमे निरंतर प्रयास जारी रखना चाहिए और यह हमारा कर्तव्य भी है। बैठक में उपस्तिथ राजस्थान मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष श्री एम डी चौपदार ने कहा की नई शिक्षा नीति के अंतर्गत पाठ्यक्रम से हटाये जा रहे मुगलों के इतिहास के बारे में केंद्र सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। इस तरह के निर्णय से अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज में केंद्र सरकार के प्रति नाराजगी है। मदरसा आधुनिकीकरण पर बात करते हुए उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक समाजके कल्याण के लिए हमेशा मदद की है। मदरसा आधुनिकीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा दिये गये फण्ड के लिए मै उनका आभार व्यक्त करता हूँ। राजस्थान मदरसा बोर्ड का अध्यक्ष होने के नाते में राजस्थान के मदरसों में आधुनिकीकरण व बुनियादी सुविधा एव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हूँ। बैठक में अल्पसंख्यक मामलात विभाग के निदेशक श्री जमील अहमद कुरैशी, राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य श्री हरदीप सिंह चहल, श्रीमती पिंकी ग्रोवर, श्री रफीक कुरैशी व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्तिथ रहे।

मंहगाई राहत शिविर- हैरिटेज निगम में कुल पंजीयन 10428 हुए

मुख्यमंत्री की इस पहल की लोग कर रहे हैं सराहना

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थानवासियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए शुरू हुये महंगाई राहत कैंप निरंतर रूप से लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। नगर निगम जयुपर हैरिटेज के अतंर्गत क्षेत्रों में स्थापित किये जा रहे महंगाई राहत कैंप आमजन को अपनी ओर आकर्षित करते हुये नजर आ रहे हैं एवं स्थापित किये गये सभी जगह कैंप में लोगों की भारी भीड़ पहुंच रही है। जनता मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की इस पहल की सराहना भी कर रही हैं। महापौर श्रीमती मुनेश गुर्जर ने बताया कि महंगाई राहत शिविर में निगम हैरिटेज के चारों जोनों से कुल 10428 का पंजीयन हुआ जिसमें हवामहल-आमेर जोन के 2042, सिविल लाईन जोन के 3570, आदर्श नगर जोन के 2221 व किशनपोल जोन के 2595 पंजीयन हुये।

पुलिस ने रुकवाई नाबालिग की शादी

सीकर। दांतारामगढ़ थाना के एसएचओ मदन कड़वासरा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बाल विवाह को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के नौसाल गांव में शादी समारोह में पहुंचकर नाबालिग का बाल विवाह रुकवाया। जानकारी देते हुए एसएचओ मदन कड़वासरा ने बताया कि पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली की थाना क्षेत्र के नौसाल गांव में गणेशाराम अपनी नाबालिग बेटी की शादी करवा रहा है। सूचना पर तुरंत पुलिस टीम गठित कर शादी समारोह में भेजा गया जहां पर गणेशाराम अपनी दो बेटियों की शादी कर रहा था और बारात भी पहुंच गई थी जब पुलिस ने दोनों दुल्हनों के आयु संबंधी दस्तावेज देखे तो उसमें एक दुल्हन नाबालिग पाई गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग का विवाह रुकवाया और नाबालिक के परिजनों को बाल विवाह नहीं करने को लेकर पाबंद कर कानूनी कार्रवाई की गई। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में गणेशाराम की एक बेटी जो की बालिग थी उसी की शादी संपन्न हुई। एसएचओ मदन कड़वासरा ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि शादियों का सीजन चल रहा है और अगर किसी के पास भी नाबालिग के विवाह से संबंधित कोई सूचना हो उसकी तुरंत पुलिस को जानकारी दें पुलिस नाबालिग का विवाह करने के अपराध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई करेगी।

एसएचओ मदन कड़वासरा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की कार्रवाई,

नौसाल गांव में गणेशाराम करवा रहा था अपनी नाबालिग बेटी की शादी

गणेशाराम की दो बेटियों की थी शादी जिसमें एक बेटी थी नाबालिग

मुमताज शेख बनी कांग्रेस कमेटी बीकानेर की शहर जिला सचिव

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीमान गोविंद सिंह डोटासरा के निदेशानुसार बीकानेर शहर जिला अध्यक्ष श्री यशपाल गहलोत ने किया कार्यकारिणी का विस्तार इस पर कांग्रेस की कार्यकर्ता मुमताज शेख को शहर जिला सचिव बनाया गया मुमताज शेख के शहर जिला सचिव बनते ही शहर में खुशी का माहौल छा गया और आसपास मोहल्ले के लोग बधाई देने शेख के निवास पर पहुंचे आज दिन भर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा सभी ने मुमताज शेख को फोन के जरिए एवं व्यक्तिगत उनके निवास पर पहुंचकर बधाई दी इस पर मुमताज शेख ने राजस्थान के मुख्यमंत्री आदरणीय अशोक जी गहलोत एवं राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय गोविंद सिंह डोटासरा व बीकानेर शहर जिला अध्यक्ष श्रीमान यशपाल जी गहलोत व सभी बड़े पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर हुई बैठक

लालसोट /(वरुण कामदार)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निदेशानुसार 13 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए मंगलवार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश प्रेमलता सैनी द्वारा तालुका लालसोट के न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में सचिव द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए चिन्हित एवं प्रिकाउन्सलिंग के माध्यम से निस्तारित प्रकरणों की समीक्षा की गई। सचिव द्वारा न्यायिक अधिकारियों को राजीनामा योग्य फौजदारी प्रकरणों, दीवानी मामलों, पारिवारिक प्रकरण, मोटरयान दुर्घटना दावा अधिकरण से संबंधित प्रकरणों में पक्षकारों को नोटिस जारी कर पक्षकारों के मध्य आपसी राजीनामा कराने के भरसक प्रयास करने निर्देश दिए गए, उन्होंने विशेष रूप से धारा 138 एनआईएक्ट के सभी प्रकरणों को राष्ट्रीय लोक अदालत में चिन्हित कर उनमें पक्षकारों को नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में न्यायिक अधिकारिगण, अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश, लालसोट अटल सिंह चंपावत, अति० मुख्य न्यायिक मजि०, क०सं०-01, उमेश वीर , अति० मुख्य न्यायिक मजि०, क०सं०-02, प्रीति सिंह उपस्थित रहे।

जनता को महंगाई के दंश से मुक्ति दिलाने में कारगर साबित हो रहे हैं महंगाई राहत कैंप – कृषि मंत्री कटारिया, मुंडिया रामसर में लाभार्थियों से किया संवाद

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। महंगाई से त्रस्त आमजन के लिए महंगाई राहत कैंप किसी सौगात से कम नहीं है। आज हर किसी को महंगाई के दंश से मुक्ति चाहिए, यही कारण है कि जयपुर में आयोजित महंगाई राहत कैंप में प्रतिदिन लाखों लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। यह कहना है कृषि मंत्री श्री लालचंद कटारिया का। श्री कटारिया ने मंगलवार को झोटवाड़ा पंचायत समिति के मुंडियारामसर में आयोजित महंगाई राहत कैंप का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड भी वितरित किये। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम तबके तक लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना राजस्थान सरकार की प्राथमिकताओं में शुमार है। जिला प्रशासन महंगाई राहत कैंप के सफल एवं सुचारू आयोजन में जुटा है। संभागीय आयुक्त श्री अंतर सिंह नेहरा एवं कलक्टर श्री प्रकाश राजपुरोहित खुद महंगाई राहत कैंप की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। श्री नेहरा ने मंगलवार को कौथून, चाकसू, दुगार्पुरा बस स्टैंड एवं टोंक रोड, जगतपुरा में आयोजित महंगाई राहत कैप का निरीक्षण किया। वहीं, । कलक्टर ने मंगलवार को सांभर के हिरनोदा, मौजमाबाद के धमाणा एवं दूदू के रहलाना में आयोजित महंगाई राहत कैंप एवं प्रशासन गांवों के संग अभियान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में अधिकारियों को इंतजाम दुरुस्त रखने एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभांवित करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने बताया कि महंगाई राहत कैंप 24 अप्रैल को शुरू हुए थे जिसके बाद अब तक कुल 14 लाख 16 हजार 810 महंगाई राहत कार्ड जारी किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत 2 लाख 23 हजार 430, मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 2 लाख 88 हजार 381, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 2 लाख 88 हजार 381, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 20 हजार 331, मुख्यमंत्री निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में 2 लाख 45 हजार 22, इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 78 हजार 965, मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 1 लाख 707, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 1 लाख 16 हजार 29, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 40 हजार 952, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 14 हजार 612 लाभार्थियों ने पंजीकरण करवाया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को कुल 2 लाख 10 हजार 849 गारंटी कार्ड जारी किये गए। जिसमें से मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत 32 हजार 525, मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 42 हजार 190, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 42 हजार 190, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 3 हजार 153, मुख्यमंत्री निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में 38 हजार 17, इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 8 हजार 722, मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 1 हजार 769, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 18 हजार 779, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 7 हजार 180, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 1 हजार 769 लाभार्थियों ने पंजीकरण करवाया है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

रैणी क्षेत्र मे मंगलवार को दूसरे दिन भी बेमौसम हुई बारिश

गर्मी के मौसम मे नवम्बर दिसम्बर जैसी सर्दी

रैणी(अलवर)/महेश चन्द मीना । अलवर के रैणी उपखण्ड क्षेत्र मे पिनान, माचाडी व खोहरा चौहान सहित आसपास के ज्यादातर गांवो मे सोमवार की तरह ही दोपहर बाद मंगलवार को बेमौसम बारिश हुई है। इस बारिश ने मई के माह मे भी नवम्बर दिसम्बर माह जैसी सर्दी बढा दी है और मौसमी बिमारियो का प्रकोप भी दिन प्रतिदिन बढता ही जा रहा है।

मध्य प्रदेश से राजस्थान में हथियार सप्लाई करने वाले तस्कर गिरफ्तार

सितारा न्यूज नेटवर्क

डॉ.चेतन ठठेरा । जयपुर/ राजस्थान की एसओजी मध्य प्रदेश से राजस्थान में हथियार सप्लाई करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार और मैगजीन बरामद की है ।एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक अशोक राठौड़ के अनुसार एसओजी को सूचना मिली थी कि एक हथियार तस्कर राजस्थान के करौली जिले में सक्रिय है जो मध्य प्रदेश से हथियार लाकर राजस्थान में सप्लाई करता है इस सूचना का सत्यापन कराया गया और इस हेतु एक टीम बनाकर सवाई माधोपुर के लिए भेजी गई टीम में छानबीन और नजर रखते हुए भरतपुर रेलवे स्टेशन से दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर उनके सामान के लिए गीता राशि में हथियारों पर दोनों को गिरफ्तार कर थाने लाया गया जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम श्याम बिहारी पुत्र हंसराज मीणा 30 साल निवासी कोटरी तहसील हिंडौन जिला करौली तथा अखिलेश मीणा पुत्र जमुना लाल मीणा 24 साल निवासी कोटरी तहसील हिंडौन जिला करौली बताया इन दोनों के सामान के लिए की तलाशी में सामान से 6 अवैध पिस्टल मैगजीन सही तथा एकत्रित मैगजीन बरामद की गई और दोनों युवकों से पूछताछ की जा रही है उन्होंने बताया कि यह मध्य प्रदेश के धार जिले से राजस्थान के करौली भरतपुर क्षेत्रों में बेचते हैं।

राजस्थान इंटेलिजेंस ने खोली पाक और ISI की नापाक हरकतो की पोल

सेना के कार्मिक सहित दो गिरफ्तार

सितारा न्यूज नेटवर्क

डॉ. चेतन ठठेरा, जयपुर। पाकिस्तान और आतंकी संगठन आई एस आई लगातार भारत किस सरहद पर रहने वाले लोगों और सेनाओं में काम करने वाले युवाओं को हसीनाओं अर्थात सुंदर लड़कियों के प्रेम जाल में फंसा कर सेना और देश की गुप्त सूचनाएं एकत्र करने का सिलसिला जारी रखे हुए हैं पाकिस्तान और आईएसआई की इन नापाक हरकतों को राजस्थान की इंटेलिजेंस पुलिस ने पोल खोलते हुए सेना के एक कार्मिक सहित दो युवकों को गिरफ्तार कर इसका खुलासा किया है। राजस्थान पुलिस की एजेंसी शाखा ने ऑपरेशन सरहद के तहत यह पोल खोलते हुए खुलासा किया कि पाकिस्तान की एजेंट ने अपनी खूबसूरती के जाल में सेना के एक कार्मिक और सरहद पर रहने वाले एक भारतीय को अपने हुस्न के जाल में फंसा कर और पैसों का लालच देते हुए सेना की गतिविधियों की सारी गुप्त सूचनाएं ली है । सूत्रों के अनुसार राजस्थान के जयपुर में रहने वाले रवि प्रकाश मीणा जो सेना के सेना भवन नई दिल्ली में रिसिप्ट डिस्पैच और डाक वितरण के पद पर कार्यरत हैं को 2020 में ईशा बंसल और मृदुला वर्मा नाम की दो युवतियों ने फेसबुक के जरिए मैसेज के माध्यम से संपर्क में आया ईशा बंसल ने पहले मीणा को हाय हेलो का मैसेज दिया और स्वयं को उदयपुर की रहने वाली बताया यूपी की बात पर रवि मीणा को विश्वास नहीं होने पर उसने कहां की अगर तुम्हारी फेसबुक आईडी अगर सही है तो तुम मैसेंजर पर वॉइस कॉल और वीडियो कॉल करो इस पर ईशा बंसल ने रवि का विश्वास जीतने के लिए वीडियो कॉल किए उसके बाद रवि को विश्वास होने पर उनके बातों का सिलसिला शुरू हो गया और इसी दौरान मृदुला वर्मा नाम की युवती ने भी इसी तरह रवि से संपर्क किया और फिर उसका भी उसके साथ सिलसिला बातों का वीडियो कॉलिंग का शुरू हो गया। सूत्रों के अनुसार रवि मीणा ने इंटेलिजेंस की गिरफ्त में आने के बाद यह खुलासा पूछताछ में करते हुए बताएं कि मई 2022 में ईशा ने कहा कि उसकी नौकरी सेना में लग गई है और रवि को मिठाई के लिए उसने ?3000 भी भेजें इसी तरह मृदुला वर्मा ने भी रवि को जरूरत पड़ने पर पैसे भेजे और दोनों लड़कियों से कहती थी कि वह से शादी करेंगी लेकिन रवि मीणा इस बात से पूरी तरह बेखबर था कि दोनों युवतियां आतंकी संगठन आईएसआई की एजेंट है दोनों लड़कियों ने रवि को अपने हुस्न के जाल में इस तरह जकड़ लिया कि वह उनकी हर बात मानने लगा और दोनों लड़कियां उसे सेना की महत्वपूर्ण जानकारियां फोटोग्राफ आदि मोबाइल से भेजने लगा था इसमें कई गोपनीय जानकारियां भी मोबाइल व्हाट्सएप पर भेजी गई । इसी तरह इंटेलिजेंस ई ने रतन खान नाम के युवक को भी गिरफ्तार किया जो आईएसआई के लिए काम कर रहा था इंटेलिजेंसी की पूछताछ में खान ने खुलासा किया कि वे 22 साल पहले अपने भाई बहन और ने रिश्तेदारों से मिलने के लिए पाकिस्तान गया था और अब तक और 7 बार पाकिस्तान जा चुका है और 2018 में भी है पाकिस्तान गया था जहां उसकी मुलाकात एक खलीफा नामक व्यक्ति से हुई और उसने कहा कि तुम हमारे लिए काम करो रतन खान द्वारा काम के लिए पूछने पर खलीफा ने बताया कि भारत में सेना के वाहनों के फोटोग्राफ और वीडियो हमको भेजना इसके बदले हम तुम्हें पैसे देंगे और बतौर एडवांस खलीफा ने उसे करीब ?20000 दिए और भारत आकर उसने सेना के वाहनों की वीडियो फोटोग्राफ भेजना शुरू कर दिया बताया जाता है कि खलीफा ने उसके बाद उसे सोने का आभूषण भी उपहार में भेजें और इस लालच में आकर रतन खान लगातार भारत से सेना की महत्वपूर्ण जानकारियां भेज तारा भारतीय कंपनी के सिम कार्ड पाकिस्तानी एजेंटों को भी दिलाए राजस्थान की इंटेलिजेंस दोनों युवकों से और भी पूछताछ कर रही है जिससे आने वाले दिनों में और खुलासे हो सकते हैं।

रैणी क्षेत्र मे गढ़ीसवाईराम सीएचसी पर नही लग रहा महंगाई राहत कैंप

आमजन की पहुंच से दूर सुनसान स्थान अम्बेडकर छात्रावास मे पहाड़ी की ओर लगा रखा कैम्प

जिला कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गढ़ीसवाईराम तय कर रखा है कैंप का स्थान

जिला कलेक्टर के आदेशों की हो रही अवमानना

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)/महेश चन्द मीना। अलवर जिले के रैणी उपखण्ड क्षेत्र मे राज्य सरकार द्वारा संचालित महंगाई राहत कैंप स्थान को लेकर जिला कलेक्टर अलवर के आदेशो की खुलेआम अवमानना की जा रही है गढ़ीसवाईराम कस्बे मे लगाये जा रहे है महंगाई राहत कैंप और प्रशासन गांवो के संग कार्यक्रम शिविर मे क्योकि अलवर जिला कलेक्टर के द्वारा जारी किए गए आदेश मे स्थाई कैम्प गढ़ीसवाईराम सीएचसी पर तय कर रखा है लेकिन जब मिडियाकर्मी मंगलवार को दोपहर बाद कैम्प की खबर कवरेज के लिए सीएचसी गढ़ीसवाईराम पर पहुंचा तो सीएचसी प्रभारी डाक्टर के.सी.मीना के द्वारा बताया गया कि कैम्प को तो अम्बेडकर छात्रावास मे ले गए है तो 4:30 बजे के लगभग मिडियाकर्मी महेश चन्द मीना छात्रावास मे खबर कवरेज के लिए पहुंचा तो वहा पर कोई भी नागरिक रजिस्ट्रेशन के लिए भी नही मिला। यह स्थान आमजन की पहुंच से दूर भी लग रहा था क्योंकि यह एक सुनसान सी जगह लग रही थी वहा पर उपस्थित कर्मियो के द्वारा भी मिडिया को सन्तुष्टिजनक जवाब नही मिल पा रहा था कोई तो कम्प्यूटर ओपरेटर के द्वारा स्थान बदलने की बोल रहे थे तो कोई टैन्ट वाले लोकेश की तरफ से स्थान बदलने की बोल रहा था तो कोई अस्पताल मे जगह की कमी बता रहा था ऐसे मे कोई भी सन्तुष्टिजनक जवाब नही दे सका तथा जगह चेन्ज करने के लिए कोई लिखित आदेश भी नही आने की बात बता रहे थे ये लोग ऐसे मे समझ मे नही आ रहा था कि आखिरकार सीएचसी गढ़ीसवाईराम से यह कैम्प का स्थान चेन्ज क्यो किया गया है जो आमजन की पहुंच से दूर है। मिडियाकर्मी महेश चन्द मीना को इस दौरान वीडीओ कविता मीना के द्वारा मौखिक रूप से बताया गया कि यहा पर तो नेट प्रॉब्लम भी है और बिजली सम्बन्धित समस्या भी आती है क्योंकि यहा पर तो इनवर्टर की बैटरी भी खराब पडी है ऐसे मे जब लाइट नही आयेगी तो प्रॉब्लम हो भी सकती है रजिस्ट्रेशन कराने मे। ये समस्याओ से अवगत कराया एलडीसी सरोज और वीडीओ कविता के द्वारा तथा वीडीओ कविता मीना के द्वारा बताया कि अब तक इस सीएचसी पर स्थाई कैम्प मे कुल 1204 रजिस्ट्रेशन किये जा चुके है और मंगलवार को 101 रजिस्ट्रेशन करना बताया गया है वीडीओ कविता बाई मीना के द्वारा। मिडियाकर्मी महेश चन्द मीना द्वारा इस सम्बन्ध मे जिला कलेक्टर अलवर को तथा रैणी एसडीएम व रैणी तहसीलदार और रैणी बीडीओ व रैणी बीसीएमओ तथा गढीसवाईराम सीएचसी प्रभारी डाक्टर के.सी.मीना व स्थानीय सरपंच प्रतिनिधी धर्मचन्द बैरवा सभी को स्थान चेन्ज करने की सूचना भी दे दी गई है। इस दौरान मिडिया को कविता बाई मीना (वीडीओ) तथा सरोज (एलडीसी) व राजेश मीना (आरवाईएमपी), भूपेश बैरवा (कम्प्यूटर ओपरेटर) व रवि कुमार (कम्प्यूटर ओपरेटर) मौके पर मिले इनके अलावा कोई भी आमजन नही था इस सुनसान स्थान पर। यह स्थान आमजन के लिए दुविधाजनक सा लग रहा है और ऐसा ही दिखाई दे रहा है।

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर का वार्षिक अधिवेशन व द्विवार्षिक चुनाव हुए सम्पन्न

नाबरिया अध्यक्ष एवं डॉ पारख मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर की वार्षिक साधारण सभा श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय सभागार में सानन्द सम्पन्न हुई ।निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट वी एस भाटी के निर्देशन में वर्ष 2023-25 द्विवार्षिक कार्यकाल हेतु सर्वसम्मति से शांतिलाल नाबरिया अध्यक्ष, गौतमचंद बोहरा चेन्नई वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गौतमचंद गोखरू उपाध्यक्ष प्रथम, प्रकाशचन्द गदिया उपाध्यक्ष द्वितीय, डॉ नरेंद्र पारख मंत्री, सुनील कुमार ओस्तवाल सहमंत्री, रमेशचंद मेडतवाल कोषाध्यक्ष एवं दीपचन्द कोठारी को प्रचार मन्त्री पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किये गए। निम्न प्रबन्धकारिणी सदस्यों का निर्वाचन भी सर्वसम्मति से साधारण सभा मे किया गया। मोहनराज सिंगी, गौतमचंद बोहरा, सुरेशचंद सुतलिया, भंवरलाल खिवसरा, राजेंद्र कुमार कांकरिया, जंवरीलाल शिशोदिया, मिलापचंद बुरड़, सुनील कुमार खेतपालिया, दुलराज मकाणा, महावीरचंद बिनायकिया, चंदूलाल कोठारी, दुलराज रूणीवाल, गौतमचंद बिनायकियां, इंदरचंद हरकावत, माणकचंद तालेड़ा, अजीत कुमार गोठी, देवराज लोढ़ा, आशीष रांका, उत्तमचंद देरासरिया, रविन्द्र लोढ़ा, महेंद्र सांखला, अशोक कुमार सुराणा, अरविन्द मूथा को सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किए साधारण सभा मे समिति के मंत्री डॉ नरेंद्र पारख ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा भामाशाहों का सहयोग हेतु आभार प्रदर्शित किया। कोषाध्यक्ष रमेशचंद मेड़तवाल ने गत वर्ष का आयव्यय लेखा जोखा एवम आगामी वर्ष हेतु अनुमानित बजट सदन में प्रस्तुत किया ।समिति के नव निर्वाचित अध्यक्ष शान्तिलाल नाबरिया ने बताया कि समिति निरंतर शिक्षा के उन्नयन एवं समाज सेवा के कार्यो में सदैव समर्पित रहेगी।

भारतीय किसान यूनियन, टिकैत जिला ईकाई सीकर ने सर्किट हाऊस में दिया मुख्यमंत्री गहलोत को ज्ञापन

सितारा न्यूज नेटवर्क

सीकर (विनोद धायल। सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी द्वारा षड्यंत्र रच कर ग्राम पंचायत सांवलोदा धायलान की भूमि पर कब्जा करने की शिकायतों का पुलिंदा देते हुए किसान यूनियन (टिकैत) की युवा इकाई के सीकर जिलाध्यक्ष नरेंद्र धायल ने मांग की स्थानीय प्रशासन द्वारा अवैध निर्माण को हटाकर व अतिक्रमण की जा रही पंचायत की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाये मुख्यमंत्री गहलोत ने धायल की शिकायत को जिला कलेक्टर को देते हुए इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिऐ भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के सदस्य जयन्त खीचड़, भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के मीडिया सलाहकार भंवरलाल बिजारणिया, सीकर जिलाध्यक्ष दिनेश सिंह जाखड़, युवा इकाई जिला अध्यक्ष नरेंद्र धायल, जिला उपाध्यक्ष हरिराम मील, महासचिव राजेन्द्र डौरवाल, सक्रिय सदस्य महावीर बाजिया, अभिनव जाखड़, रूपाराम शेषमा, लोकेश बुरड़क, रामअवतार खीचड़, निखिल सुण्डा, अमित जाखड़, शंकर लाल बिजारणिया, रामनिवास ढाका, राजू रेपसवाल, अनेक ग्रामजन और कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

श्रीमद् भागवत कथा में जय कन्हैया लाल के जयकारों से गूंज उठा पंडाल

सितारा न्यूज नेटवर्क

आमेर/रोहन शर्मा । राजधानी जयपुर के राम शिव मंदिर जमना नगर, सोडाल में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराते हुए, कथा में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। कथा का वाचन करते हुए बाल गोपाल दास जी महाराज ने भक्त प्रहलाद की कथा के माध्यम से भगवान कण-कण में होना बतलाया। उन्होंने कहा कि जहां भक्त का पक्का विश्वास होता है। वहीं भक्त की रक्षा के लिए प्रकट हो जाते हैं।इस अवसर पर कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान कृष्ण का जन्म हुआ तो पांडाल में जयकारे गूंजने लगे ओर श्रद्धालु नाचने गाने लगे।

पवित्र कार्य करने से मन प्रसन्न व निर्मल

भागवाताचार्य बाल गोपाल दास जी महाराज ने सनातन धर्म, भारतीय सभ्यता संस्कृति, श्री राम जन्म भूमि अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, सनातन धर्म के सदग्रंथों के संबंध में श्रद्धालुओं को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि शुभ संकल्प व पवित्र कार्य करने से मन प्रसन्न व निर्मल होता है। जो बाद में मोक्ष मार्ग की और अग्रसर करता है और यही मन अशुभ संकल्प व पाप पूर्ण आचरण से अशुद्ध होता है। यह मनुष्य को संसार के बंधन में बांधता है। भागवाताचार्य ने विस्तारपूर्वक चर्चा करते कहा कि कर्म करने और फल की इच्छा न रखने को प्रेरित करती है। हमें भी ऐसे सदग्रंथों को घर में रखने के अतिरिक्त रोजाना अध्ययन कर जिंदगी को उन्नति की ओर अग्रसर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि कल्याण की इच्छा रखता है तो उसे अपने मन पर नियंत्रण रखना होगा। मनोज शर्मा ने बताया कि कथा का समापन 06 मई को हवन के समापन और भंडारे के साथ होगा।

विधानसभा क्षेत्र के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का स्वागत

मंत्री जूली की अध्यक्षता में आयोजित हुआ स्वागत समारोह

सितारा न्यूज नेटवर्क

युवराज शर्मा/अलवर। अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक उमरैण एवं मालाखेडा के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष एवं समस्त कार्यकारिणी का स्वागत समारोह सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली की अध्यक्षता में एक निजी होटल में आयोजित किया गया। मंत्री जूली ने नवनियुक्त समस्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। इससे पूर्व कार्यकारिणी के सदस्यों ने मंत्री जूली का आभार जताते हुए ढोल नगाडों के साथ उनका अभिनन्दन किया। मंत्री जूली ने पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कुशल प्रबंधन में चलाई जा रही राज्य सरकार की जनकलयाणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत कैम्प में सरकार की 10 योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों को दिलवाये ताकि उनका सामाजिक जीवन सरलता से चल सके। उन्होंने पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ लेवल पर पार्टी को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं के निदान के लिए हैल्पलाईन नं. 7627099968 पर संपर्क करे। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष्य जफरू खान, नरेन्द्र सावित्री मीना, समाज सेवी मुकेश जूली, रघुवीर जांगिड, बलबीर भजीट, गुडडु खान, लालाराम सैनी, अनिल नरूका, माधोराम, जयकिशन गुर्जर, कवि सदाराम सहित नवीन कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

चिंतन

जाति गणना से पिछड़ा कार्ड खेलने की तैयारी

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए विपक्ष ने गोटियां बैठानी शुरू कर दी हैं। बिहार के बाद अब ओडिशा सरकार ने ओबीसी गणना के लिए सर्वे करवाने का ऐलान किया है और 12 जुलाई तक प्रक्रिया पूरी करने का फैसला किया है। 2024 के लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनावों से पहले के कदम को विपक्षी दलों द्वारा सत्तारूढ़ बीजद द्वारा पिछड़े वर्गों के मतदाताओं को आकर्षित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो राज्य की आबादी का लगभग 54 प्रतिशत है। राज्य सरकार ने कहा कि सर्वेक्षण से पिछड़े वर्गों के सामाजिक-आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। दरअसल, भारत में हर 10 साल में एक बार जनगणना की जाती है। इससे सरकार को विकास योजनाएं तैयार करने में मदद मिलती है। किस तबके को कितनी हिस्सेदारी मिली, कौन हिस्सेदारी से वंचित रहा, इन सब बातों का पता चलता है। कई नेताओं की मांग है कि जब देश में जनगणना की जाए तो इस दौरान लोगों से उनकी जाति भी पूछी जाए। इससे हमें देश की आबादी के बारे में तो पता चलेगा ही, साथ ही इस बात की जानकारी भी मिलेगी कि देश में कौन सी जाति के कितने लोग रहते है। सीधे शब्दों में कहें तो जाति के आधार पर लोगों की गणना करना ही जातीय जनगणना होता है। देश में अलग-अलग तरह की तमाम जातियां और उनकी उपजातियां हैं। हालांकि इनकी संख्या कितनी है, किस जाति में कितने लोग हैं, इनकी आर्थिक स्थिति क्या है, ये फिलहाल निर्धारित नहीं है। साल 1931 से लेकर आज भी यही मुद्दा हमारे देश में विकास की राह में रोड़ा बना हुआ है। इसमें सबसे ज्यादा विवाद पिछड़ा वर्ग को लेकर है। इसी वर्ग की संख्या को पुख्ता करने के लिए अलग-अलग राज्य, केंद्र पर दबाव बनाते हैं क्योंकि राजनीतिक पार्टियां अपने पक्ष में वोट की गोलबंदी करने के लिए जातिगत पहचान का सहारा सबसे अधिक लेती हैं। इसके अलावा सभी जातियों के उत्थान और उनके वाजिब हक़ के लिए भी यह ज़रूरी होता है। केंद्र की सत्ता में रहने वाली पार्टी कुछ-न-कुछ बहाना बनाकर हर बार इसे टाल जाती है। देश में आख़िरी बार ब्रिटिश शासन के दौरान जाति के आधार पर 1931 में जनगणना हुई थी। इसके बाद 1941 में भी जनगणना हुई लेकिन आंकड़े पेश नहीं किए गए। इसके बाद अगली जनगणना से पहले देश आज़ाद हो चुका था। यानी अब ये जनगणना 1951 में हुई, लेकिन इस जनगणना में सिर्फ अनुसूचित जातियों और जनजातियों को ही गिना गया। कहने का मतलब ये है कि 1951 में अंग्रेजों की जनगणना नीति में बदलाव कर दिया गया जो कमोबेश अभी तक चल रहा है। इस जनगणना से पहले साल 1950 में संविधान लागू होते ही एससी और एसटी के लिए आरक्षण शुरू कर दिया था। कुछ साल बीते और पिछड़ा वर्ग की तरफ से भी आरक्षण की मांग उठने लगी। यह सही है कि जाति जनगणना से पता लग जाएगा कि किस जाति का कितना विकास हुआ, लेकिन इसकी मुश्किलें भी हैं। मान लिजिए जातिगत जनगणना होती है तो अब तक की जानकारी में जो आंकड़े हैं, वो ऊपर-नीचे होने की पूरी संभावना है। जैसे ओबीसी की आबादी 52 प्रतिशत से घट जाती है तो एक नया विवाद हो सकता है और मान लीजिए यह प्रतिशत बढ़ जाता है, जिसकी पूरी संभावना है तो सत्ता और संसाधन में हिस्सेदारी की और मांग उठेगी। सरकारें शायद इस बात से डरती हैं। चूंकि आदिवासियों और दलितों के आकलन में फेरबदल होगा नहीं, क्योंकि वो हर जनगणना में गिने जाते हैं। ऐसे में जातिगत जनगणना में प्रतिशत में बढ़ने-घटने की गुंजाइश अपर कास्ट और ओबीसी के लिए ही है। राज्य सरकारों को भी केवल वोट बैंक के लिए इस ओर कदम नहीं बढ़ाना चाहिए। इससे जाति की खाई और बड़ी होने का भी खतरा है।

सारा संसार

इफिसुस, तुर्की स्थित यह पुस्तकालय 114 से 117 एडी के बीच बना था। यह रोमन समाज की बहुत ही प्रसिद्ध इमारत है और इस पुस्तकालय में 12,000 सूचीपत्र को रखा जा सकता है। आज भी इस पुस्तकालय को सहेज कर रखा गया है।

व्यंग्य

रेखा शाह आरबी

यह पर्दा हटा दो जरा

एक फिल्म आई थी 'एक फूल दो माली' जिसमें हीरो संजय खान और साधना सरगम के ऊपर एक गीत फिल्माया गया था। गीत था 'यह पर्दा हटा दो,जरा मुखड़ा दिखा दो, हम प्यार करने वाले हैं, कोई गैर नहीं। हीरो हीरोइन से गाने मे खूब गुहार और इसरार करता है कि हीरोइन किसी तरह उसे अपना मुखड़ा दिखा दे लेकिन निर्मम एवं निर्दयी हीरोइन जरा भी उसके ऊपर पसीजती नहीं है और उसकी उसी तरह एप्लीकेशन रिजेक्ट कर देती है, जिस तरह सरकारी बाबू बिना सुविधा शुल्क का कोई आया हुआ आवेदन नकार देता है। और नहीं तो हीरोइन, हीरो को अपनी मां से डंडे पड़वाने की भी बात करती है। हीरोइन मासूम है नादान है। आजकल भला डंडों से किसको डर लगता है। सब ने अपने अपने हिसाब से इन डंडो की काट खोज कर निकाल रखी है और रावण के जैसे अमृत नाभि में छुपा लिया है। बताइए भला यह कोई बात हुई। हीरो ने पर्दा हटाने को ही तो बोला था उसके लिए इतनी नाराजगी कहां उचित है कि डंडों से मारने की कवायद की जाए। एक तो हीरो को अभी पूरी तरह मुख सौंदर्य दर्शन का लाभ भी नहीं मिला, ऊपर से फजीहत उसकी हुई वह अलग से ...परंतु हम जानते हैं इधर नायिका भी बहुत ही सख्त जान प्राणी है। वह येन केन प्रकारेण उस पर्दे के राज को पर्दे में रखने की भरपूर कोशिश करेगी। लेकिन किसी भी पर्दे की इतनी हिम्मत और मजाल कहा है कि वह हीरोइन के चांद से मुखड़े को छुपा ले। लेकिन हीरो को परदों की अहमियत समझना चाहिए कि घूंघट की आड़ से ही सौंदर्य भला लगता है सीधे-सीधे देखे हुए सौंदर्य में इतना आकर्षण नहीं होता है जितना छुपे हुए सौंदर्य में होता है।

हीरो की पर्दे हटाने की लालसा देखकर आश्चर्य ही होता है आखिर पर्दे चाहे टाट के बने हुए हो या मुलायम रेशम के बने हुए हो.. दो सौ रुपये वाले हो या लाखों के लखटकिया पर्दे हो और पर्दों का कार्य ना तो कभी पूर्व में बदला है ना कभी बदल सकता। पर्दों का कार्य ही है उन सभी चीजों को कवर करना जो हमारी इज्जत समाज में धूमिल कर सकती है। आम आदमी के जीवन में भी पर्दों की यही उपयोगिता है कि पर्दों द्वारा वह अपनी कथनी करनी को छुपाने का प्रयास करता है, लेकिन उसे पता नहीं था। उसकी कथनी और करनी के अंतर को पर्दे ही उजागर कर देंगे। पर्दा हटा तो सब कुछ सामने आ जाएगा और यही बात है जो आम आदमी को परेशान करती है। आम आदमी चाहता है उसकी सारी बातें पर्दे के पीछे छुपी रहे लेकिन अब पर्दे ही सारी बातें उजागर करने की ठान चुके हैं। आखिर पर्दे भी क्या करते, उनकी भी छुपाने की एक सीमा थी। जब सीमा का उल्लंघन होने लगा तो उजागर तो सब कुछ होना ही था।

सबको पता है कि धरती पर सारे गुल पर्दों के भीतर ही खिलाए जाते हैं। सारी करामात पर्दों की आड़ में ही की जाती है। धरती पर यह पर्दे ही हैं जो लोगों की सारी काली करतूतें छुपाकर रखते हैं। पर्दों के पीछे वह सभी अनैतिक व्याभिचार वाले कार्य जायज हैं जिन्हें बिना पर्दों के नहीं किया जा सकता है तो हीरो को पर्दे हटाने की मांग करना सर्वथा अनुचित और गलत है.. हो सकता है ये यह मासूम और निरपराध पर्दे किसी की लूटी-पिटी हुई इज्जत बचा रहे हो और हीरो अपने मासूमियत एवं भोलेपन में उसे उजागर करने पर आमादा हो रहा है। उसे तनिक भी अंदाजा नहीं है कि किसी की बसी बसाई दुनिया उजड़ सकती है।

फिलहाल

प्रमोद भार्गव

समलैंगिक विवाह एक जटिल प्रश्न

समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के नजरिए से हिंदू विवाह अधिनियम 1955 और विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत सर्वोच्च न्यायालय में 2020 में दायर याचिकाओं पर नियमित सुनवाई प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पांच सदस्यीय पीठ में चल रही है। यह समझ से परे है कि आखिर इस गैर जरूरी और अप्राकृतिक संबंधों को वैधता देने की जल्दी क्यों है? जिस देश में उच्च आदर्श नैतिक मूल्यों को दुनिया अपनाने को आतुर रहते हुए अपनी सामाजिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने में लगी है, तब चंद कुलीन तबके के 'गे' और 'लैस्बियन' की अप्राकृतिक स्थिति को वैवाहिक मान्यता की तत्परता क्यों?

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि अदालतों में जब लाखों प्रकरण लंबित बने रहने का रोना रोया जा रहा हो, तब देश की शीर्ष न्यायालय के न्यायमूर्तियों की पीठ एक ऐसे मुद्दे की माथापच्ची में लगी हो, जिसका वैवाहिक समानता के अधिकार से कोई सीधा वास्ता ही नहीं है। वास्तव में भारत में प्राचीन काल से चली आ रही विवाह की जो अवधारणा है, उसके अंतर्गत एक जैविक पुरुष और जैविक स्त्री अर्थात विपरीत लिंगियों के बीच विवाह संपन्न होता है। यह मान्यता व्यस्क स्त्री-पुरुष के बीच शारीरिक संबंध को सामाजिक मान्यता देती है। इस सर्वमान्य परंपरा में धर्म कर्तव्य के रूप में रति-सुख नैसर्गिक काम-भावना की तृप्ति के रूप में और इसी के प्रतिफल के रूप में जैविक संतान की प्राप्ति है। हिंदू विवाह संस्था की यह सामाजिक संरचना को बनाए रखने का व्यावहारिक और विधि-सम्मत संहिता है। कहना पड़ेगा कि भारतीय समाज और कानून लैंगिक मुद्दों पर स्पष्ट रुख रखता है।

धर्म इसे केवल सामाजिक स्वीकार्यता देता है, जबकि वास्तव में यह संस्कार प्रकृति की ही एक शारीरिक अवस्था है। नृतत्व शास्त्रियों और प्राणीविदों के अनुसार विपरीत लिंगी मानव समुदाय में यौन संबंधों की शुरुआत बिना किसी सामाजिक संस्कार अथवा बिना विवाह के हुई थी। वैदिक युग में नारियों को अनेक पुरुषों से यौन संबंध बनाने की स्वतंत्रता थी। किंतु विकसित हो रही सभ्यता को एक संहिता से बांधने और संतान के जैविक पिता की निश्चिता को बनाए रखने की दृष्टि से उद्दालक ऋषि के पुत्र श्वेतकेतु ने चली आ रही सामाजिक स्वीकार्यता को अस्वीकार कर स्त्री-पुरुष को सात वचनों के साथ लिए सात फेरों के माध्यम से परिणय बंधन में बांधा। ये सात वचन परस्पर एक-दूसरे के प्रति समर्पित रहते हुए कर्तव्य पालन से जुड़े हैं।

समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के नजरिए से हिंदू विवाह अधिनियम 1955 और विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत सर्वोच्च न्यायालय में 2020 में दायर याचिकाओं पर नियमित सुनवाई प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पांच सदस्यीय पीठ में चल रही है। जिस देश में उच्च आदर्श नैतिक मूल्यों को दुनिया अपनाने को आतुर रहते हुए अपनी सामाजिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने में लगी है, तब चंद कुलीन तबके के 'गे' और 'लैस्बियन' की अप्राकृतिक स्थिति को वैवाहिक मान्यता की तत्परता क्यों? इस कड़ी की पहली बाधा न्यायालय भारतीय दंड संहिता की धारा-377 को अपराध के दायरे से 2018 में ही बाहर कर चुका है। हालांकि इस फैसले के समय यह दलील दी गई थी कि एक विशेष मानवीय व्यवहार को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इस आदेश में न तो समलैंगिक विवाह का उद्देश्य अंतर्निहित है और न ही इस आचरण को वैध बनाने की मंशा है। इसकी मान्यता केवल वयस्कों के बीच सहमति से निर्मित संबंधों को एकमत से अपराध के दायरे मुक्त करना रहा है। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीश की संवैधानिक पीठ ने सुनाया था। इस याचिका पर एक सौ से ज्यादा ऐसे लोगों ने हस्ताक्षर किए थे, जिनमें विक्रम सेठ, श्याम बेनेगल,

झुम्मा लाहिड़ी और कौशिक बसु जैसे बुद्धीजीवियों ने दस्तखत किए थे। जबकि दस्तखत करने वालों में ज्यादातर का समलैंगिकता से कोई वास्ता नहीं है।

यह जनहित याचिका समलिंगियों को शारीरिक संबंध बनाने एवं वैवाहिक वैधता की मांग के लिए की गई है। इसे वैवाहिक समानता का अधिकार भी कहा जा रहा है। इसीलिए विशेष विवाह अधिनियम 1954 की इबारत से पति-पत्नी जैसे शब्द-युग्म को विलोपित करने की मांग के साथ दलील दी जा रही है कि 'स्पाउस' अर्थात जीवन-साथी शब्द का इस्तेमाल हो।

संविधान का अनुच्छेद-21 जीवन के अधिकार की तो गारंटी देता है, लेकिन उसमें समलिंगी अर्थात अप्राकृतिक विवाह का कोई प्रावधान नहीं है। वैसे भी भारतीय परिवार की अवधारणा एक पति, एक पत्नी और इनके परस्पर समागम से उत्पन्न संतान पर आधारित है, जिसकी तुलना समलैंगिक परिवार और गोद लिए बच्चे से नहीं की जा सकती है। विवाह की यही मान्यता हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, मुस्लिम और ईसाई इत्यादि भारतीय धर्मावलंबियों में है। यही नहीं मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) के अनुच्छेद-16 के अनुसार बालिग स्त्री-पुरुष को बिना किसी जाति, राष्ट्रीयता अथवा धार्मिक बाधाओं के बिना आपस में विवाह कर अपनी परिवारिक इकाई को अस्तित्व में लाने का अधिकार है।

भारत सरकार भी समलैंगिक विवाह के पक्ष में नहीं है। नतीजतन केंद्र सरकार ने महाधिवक्ता तुषार मेहता के जरिए शीर्ष न्यायालय से आग्रह किया है कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने की मांग करने वाली याचिकाओं में उठाए गए प्रश्नों को संसद पर छोड़ देने का विचार करे। क्योंकि यह एक जटिल मुद्दा है। इसे मान्यता दी गई तो इसके समाज पर गहरे प्रभाव पड़ सकते हैं।

विशेष विवाह कानून और अन्य राज्य सरकारों द्वारा निर्मित विवाह कानूनों के अलावा 160 ऐसे कानून हैं, जो समलैंगिक विवाह की वैधता के बाद अप्रासंगिक हो सकते हैं? इसलिए इस विषय को संसद पर छोड़ना ही बेहतर होगा। दरअसल 400 अभिभावकों के समूह ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर अपने एलजीबीटीक्यूआइए अर्थात लेस्बियन गे, बाईसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, पैनसेक्सुअल, टू स्प्रीट, एसेक्सुअल और अन्य बच्चों के लिए विवाह में समानता का अधिकार मांगा है। पत्र के अनुसार हम अपने जीवनकाल में अपने बच्चों के सतरंगी विवाह पर कानूनी अधिकार की इच्छापूर्ति की उम्मीद कर रहे हैं। हमारी इच्छा है कि हमारे बच्चों और उनके जीवनसाथी के संबंधों को देश में प्रचलित विशेष विवाह अधिनियम के तहत मान्यता मिले। यह याचिका 'स्वीकार द रेनबो पैरेंट्स' संस्था की ओर से दाखिल की गई है। इस इंद्रधनुषी 'स्वीकार' समूह की स्थापना भारतीय समलैंगिक बच्चों के माता-पिता ने की है। ये बच्चे गोद लिए हुए हैं। वे इन बच्चों को भी समलिंगी बनाए रखना चाहते हैं, इसलिए वैवाहिक वैधता की मांग कर रहे हैं। इस विवाह को मान्यता देना सरकार के लिए निश्चित ही एक बड़ी चुनौती है, लेकिन वह इनके मानवीय, वित्तीय और सामाजिक कल्याण से जुड़े हितों को साधने का काम कर सकती है। इनमें समलैंगिक जोड़ो को संयुक्त बैंक खाता, बीमा पॉलिसी में जीवनसाथी को नामित करने के अधिकार के साथ, इनके बच्चों के शैक्षिक प्रमाण-पत्रों में जैविक माता-पिता के स्थान पर समलिंगी अभिभावकों के नाम जोड़ने की अनुमति दे सकती है। परंतु विडंबना है कि जब ये अधिकार मिल जाएंगे, तो इनकी समलिंगी विवाह को कानूनी आधार देने की और मजबूत पृष्ठभूमि बन जाएगी। इसलिए सरकार दुविधा में है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

ईश्वर को जानें

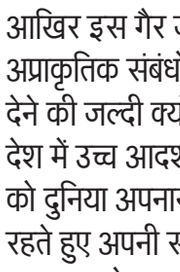

संकलित

दर्शन

मैं पेड़ों की जड़ों और उनमें प्रवाहित होता रस देख सकता था। तब मैंने परमात्मा को अपने निकट अनुभव करना आरंभ किया। दिन-रात बार-बार मैंने प्रार्थना की और ईश्वर को पुकारा। जब किसी भी वस्तु का मेरे लिए कोई महत्व नहीं रह गया, जब मन से मैंने प्रत्येक वस्तु का त्याग कर दिया। अब सदा के लिए वे मेरे साथ हैं। संसार मुझे त्याग सकता है, परंतु वे मुझे कदापि नहीं त्याग सकते। मानवीय प्रेम की लालसा न करें, यह समाप्त हो जाएगा। मानवीय प्रेम के पीछे ईश्वर का आध्यात्मिक प्रेम है। उसे खोजें। घर के लिए या धन के लिए या प्रेम के लिए या मित्रता के लिए प्रार्थना न करें। इस संसार की किसी वस्तु के लिए प्रार्थना न करें। ईश्वर जो कुछ आपको देते हैं, केवल उसी में आनंदित रहें। अन्य सब कुछ माया की ओर ले जाता है। मनुष्य पृथ्वी पर केवल ईश्वर को जानना सीखने के लिए आया है। वह किसी और कारण से यहां नहीं है। यही ईश्वर का सच्चा संदेश है। जो उन्हें खोजते हैं और उनसे प्रेम करते हैं, उन सबको वे उस महान जीवन के विषय में बताते हैं, जहां कोई पीड़ा नहीं है, कोई वृद्धावस्था नहीं है, कोई युद्ध नहीं है, कोई मृत्यु नहीं है। केवल शाश्वत आश्वासन है। उस जीवन में कुछ भी नष्ट नहीं होता। वहां केवल वर्णनातीत आनंद है, जो कभी फीका नहीं पड़ा। एक आनंद, जो नित्य नवीन रहता है। अतः, इस कारण ईश्वर की खोज करना उचित ही है। वे सभी भक्त जो सच्चाई से उन्हें खोजते हैं, वे उन्हें अवश्य प्राप्त करेंगे।

चीजों के लिए रुके नहीं, लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें

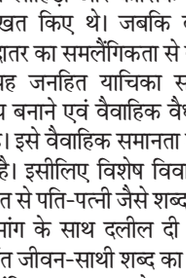

संकलित

प्रेरणा

एक दिन बुद्ध अपने शिष्यों के साथ यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान ये सभी एक नदी किनारे पहुंच गए। इस समय नदी के किनारे पर चार लोग एक नाव से उतरे। चारों बुद्धिमान और विद्वान थे। नाव से उतरकर चारों ने चर्चा की कि इस नाव की मदद से हमने नदी पार की है। नाव ने हमारी मदद की है तो हम इसे कैसे छोड़ सकते हैं? एक व्यक्ति ने कहा कि सही बात है, जो हमारे काम आया है, उसे नहीं छोड़ सकते हैं। अब हमें नाव को धन्यवाद देने के लिए इसे सिर पर उठाकर आगे चलना चाहिए। चारों ने नाव को सिर पर उठा लिया और आगे बढ़ गए। रास्ते में कुछ लोगों ने उनसे ऐसा करने की वजह पूछी। नाव उठाए लोगों ने कहा कि हम नाव के लिए आभार व्यक्त कर रहे हैं। इस नाव ने हमें नदी पार करवाई है, इसलिए अब हम इसे सिर पर रख रहे हैं। ये पूरी घटना बुद्ध और उनके शिष्य ध्यान से देख रहे थे। शिष्यों ने बुद्ध से कहा कि इस घटना के बारे में आपकी क्या राय है? बुद्ध बोले कि ये इन लोगों की सोच है। इस पर हम कुछ नहीं कह सकते हैं, लेकिन इस घटना से हमें एक सीख मिलती है। लोग अपनी सुख-सुविधा की चीजों का उपयोग करते हैं और उनके मोह में फंस जाते हैं। मोह की वजह से आगे नहीं बढ़ पाते। नाव एक साधन है, इसका काम ही हमें एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाना है। अगर हम इसे पकड़कर बैठे रहेंगे तो आगे कैसे बढ़ पाएंगे।

अंतर्मन

आज की पाती

अपव्यय पर लगाम जरूरी

हमारे देश में सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक उत्सवों की हमेशा भरमार लगी रहती है। इसी प्रकार देश में शादी-विवाह और दूसरे उत्सव प्रतिदिन चलते रहते हैं। इसी बीच कई लोग महंगाई और गरीबी के भी खूब रोने रोते हैं। वास्तव में संपन्न लोग अपने बेटे-बेटियों की शादियों और जन्म उत्सवों पर इतना रुपया पानी की तरह बहा देते हैं कि देखादेखी गरीब भी इस स्पर्धा और होड़ में आ जाते हैं। कई बार घर-जायदाद को या तो गिरवी रख देते हैं या सब कुछ बेचकर घर फूंक कर तमाशा देखते हैं। शीघ्र ही कई परिवार दाने-दाने के लिए मोहताज हो जाते हैं। उत्सव के बाद अतिथि तो चले जाते हैं और बेचारा निर्धन शीघ्र समाज के आगे अपनी पोल-पट्टी खोल बैठता है। इस तरह के अपव्यय पर लगाम लगनी चाहिए।

– राजकुमार साहू, धमतरी

ट्रेंड

प्रकृति से प्यार

यदि आप प्रकृति से प्यार करते हैं तो अरुणाचल में टाइगर रिजर्व आदर्श स्थान है। यह अद्भुत जैव विविधता हॉटस्पॉट और समृद्ध वन्य जीवन अभयारण्य शुद्ध और प्राचीन है। पागल करने वाली भीड़ से दूर' के उत्तम वातावरण को महसूस करें।

-किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

एकता की भावना

प्रत्येक मानव गतिविधि स्नेह से प्रभावित हो सकती है। सभी 8 अरब मनुष्यों को साथ रहना है। एकता की भावना महत्वपूर्ण है। लोग करुणा से प्रेरित होते हैं तो ईमानदारी और सच्चाई दोस्ती की ओर ले जाती है।

-दलाई लामा, आध्यात्मिक गुरु

अभियुक्तों की रक्षा

यह जानना कि क्या सही है और क्या नहीं करना सबसे बड़ी कायरता है। एफआईआर में देरी क्यों हुई? सार्वजनिक न करना यह दर्शाता है कि प्राथमिकी हल्की है, शिकायत की पुष्टि नहीं करती। मंशा संदिग्ध है और मकसद अभियुक्तों की रक्षा करना है

-नवजोत सिंधू, कांग्रेस नेता

पुरातन एवं अद्भुत

भारत की धार्मिक धरोहर पुरातन एवं अद्भुत है। पुणे से 110 किलोमीटर के दूरी पर भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। पूजा की, मन, तन और आत्मा कृतार्थ हुई। ये भारत पे पाए 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है तथा इसके पीछे का इतिहास अवस्मरणीय है। आपके लिए भी प्रार्थना।

-अनुपम खेर, अभिनेता

करंट अफेयर

पोप वेटिकन संग्रहालय की कलाकृतियां लौटाने तैयार

पोप फ्रांसिस ने कहा कि वेटिकन संग्रहालय में रखीं औपनिवेशिक काल की कलाकृतियों को लौटाने के लिए बातचीत की जा रही है जिन्हें कनाडा में मूल निवासी लोगों से खरीदा गया था। पोप ने हंगरी से स्वदेश लौटते वक्त विमान में एक सम्मेलन में कहा, 'सातवीं आज्ञा ध्यान में आती है : अगर आप कुछ चुराते हैं तो उसे आपको वापस देना पड़ता है।' हाल में, पोप फ्रांसिस ने यूनान को पार्थेनन मूर्तियां लौटायी है जो दो सदी से वेटिकन संग्रहालय में रखी थी। पोप ने रविवार को कहा कि चीजें लौटाना सही कदम है। वेटिकन के पास दुनियाभर के मूल निवासी लोगों द्वारा बनायी कलाकृतियों का बहुत बड़ा संग्रह है जिनमें से ज्यादातर 1925 में एक प्रदर्शनी के लिए कैथोलिक मिशनरीज ने रोम को भेजी थी। पिछले साल पोप रिहायशी स्कूलों में कैथोलिक मिशनरीज द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए मूल निवासी लोगों से माफी मांगने के लिए निजी रूप से कनाडा गए थे। इस यात्रा के क्रम में मूल निवासी समूहों ने वेटिकन के एनिमा मुंदी संग्रहालय का दौरा किया था, अपने पूर्वजों की कलाकृतियां देखी थी और कुछ कलाकृतियों को उन्हें लौटाए जाने की इच्छा जतायी थी।

ऑफ बीट

आपके पौधे खामोशी से आप पर चिल्ला रहे हैं

यदि आप मेरे जैसे हैं, तो आप ऐसे इनडोर पौधों को भी मारने में कामयाब हो जाते होंगे, जो वैसे बहुत सख्तजान होते हैं (हाँ, पौधे जीव विज्ञान में डॉक्टरेट के बावजूद)। लेकिन एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जहां आपके पौधों को जब पानी की जरूरत हो, वह आपको बताएं। यह ख्याल अपने आप में अजीब भले हो, लेकिन मूर्खतापूर्ण नहीं हो सकता है। हो सकता है कि आपको इस बात का अंदाजा हो या आपने उन अध्ययनों के बारे में सुना हो, जिनमें सुबूत के साथ यह बताया गया है कि पौधे अपने आसपास की आवाजों को महसूस कर पाते हैं। अब, नए शोध से पता चला है कि वे तनाव होने (जैसे कि पानी के अभाव, या काटे जाने से)की सूरत में बाकायदा आवाजें निकाल सकते हैं। तेल अवीव विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के नेतृत्व में एक टीम ने दिखाया है कि टमाटर और तंबाकू के पौधे न केवल आवाज करते हैं, बल्कि इतनी तेज आवाज करते हैं कि दूसरे जीव सुन सकें। उनके निष्कर्ष, आज जर्नल सेल में प्रकाशित हुए हैं, जो हमें पौधों की समृद्ध ध्वनिक दुनिया को समझने में मदद कर रहे हैं – एक ऐसी दुनिया जो हमारे चारों ओर है, पर कभी भी इनसान के कानो तक नहीं पहुंच पाई है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

विश्व अस्थमा दिवस : कैसे रहे अस्थमा रोग से सुरक्षित एवं जानिए इस रोग के कारण निदान व उपचार से जुड़ी उपयोगी जानकारीयां श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गुंजन सोनी के इस आलेख मे

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। दुनिया भर में विश्व अस्थमा दिवस हर साल मई के पहले मंगलवार को मनाया जाता है। इस वर्ष 2 मई को विश्व अस्थमा दिवस मनाया गया। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक तथा श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गुंजन सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में भारत में 3 करोड़ 43 लाख लोग अस्थमा से पीड़ित है, दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली मृत्यु में भारत के 42 प्रतिशत लोग शामिल है। राजस्थान में 26 प्रतिशत लोग वर्तमान में अस्थमा से पीड़ीत है जिसमें बीकानेर जिले में करीब 4 लाख लोग अस्थमा रोग से ग्रसित है। प्राचार्य सोनी के अनुसार एसपी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध पीबीएम अस्पताल के श्वसन रोग विभाग की ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों में हर चौथे व्यक्ति को अस्थमा की शिकायत है। इस वर्ष विश्व अस्थमा दिवस 2023 की थीम अस्थमा केयर फॉर ऑल है। इस थीम का भारत सहित दुनिया भर के अन्य देशों में अस्थमा के बारे में वैश्विक जागरूकता करना है। पढ़िए सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के प्राचार्य एवं नियंत्रक, वरिष्ठ आचार्य व श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गुंजन सोनी के अनुसार अस्थमा मरीजों एवं उनके परिजनों हेतु यह विशेष आलेख

अस्थमा क्या है, कितने प्रकार का होता है, इसके लक्षण, कारण और इलाज

अस्थमा फेफड़ों के एयरवेज से जुड़ी सूजन संबंधी बीमारी है. इसमें व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होती है, साथ ही कुछ तरह की शारीरिक गतिविधिया करना मुश्किल और लगभग नामुमकिन हो सकता है. अस्थमा के मरीजों के वायुमार्ग की परत में सूजन आ जाती है और आसपास की मांसपेशियों में तनाव आ जाता है. जिससे बलगम इन वायुमार्गों में भर जाता है, साथ ही यहां से गुजरने वाली हवा की मात्रा कम हो जाने से अस्थमा का अटैक आता है, जिसकी वजह से खांसी और छाती में जकड़न महसूस होती है.

- **अस्थमा के लक्षण**
- अस्थमा का सबसे आम लक्षण घरघराहट है. यह एक तरह की कर्कश या सीटी जैसी आवाज होती है, जो सांस लेने पर निकलती है. खांसी, विशेषतौर पर रात में, हंसते समय या व्यायाम के दौरान आती है। सीने में जकड़न, सांस लेने में कठिनाई, बात करने में दिक्कत, बैचेनी या घबराहट, छाती में दर्द, तेज श्वास लिया जाना, लम्बे समय तक जुकाम रहना व छींके आना आदि भी अस्थमा होने के प्रमुख लक्षण है।
- **अस्थमा क्यों होता है**
- अस्थमा के लिए जिम्मेदार किसी एक कारण की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. बल्कि शोधकताओं के अनुसार यह विभिन्न कारकों के कारण होता है. इसमें निम्न कारक शामिल हैं :
- जेनेटिक - अगर आपके माता-पिता या भाई-बहन किसी को अस्थमा है तो आपको भी अस्थमा हो सकता है. इस तरह के अस्थमा को जेनेटिक या आनुवंशिक कहा जाता है.
- वायरल इंफेक्शन : जिन लोगों को बचपन में रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस इंफेक्शन जैसे गंभीर वायरल इंफेक्शन होता है उनमें अस्थमा के लक्षण विकसित होने की संभावना अधिक होती है.
- हाइजीन हाइपोथिसिस - इस सिद्धांत के अनुसार जो बच्चे अपने शुरूआती दिनों या वर्षों में पर्याप्त इंफेक्शन के संपर्क नहीं आते हैं, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है. उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली अस्थमा और अन्य एलर्जिक स्थितियों से लड़ने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं होती.
- अन्य कारक : इसमें मोटापा, बदलता मौसम, एलर्जी, अति भावुकता, नमी, धुंआ, धूल मिट्टी, डस्ट माइट, ठंड, एस्पिरिन या नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स सहित कुछ अन्य दवाएं अस्थमा को बढ़ावा देने के कारक है।
- **अस्थमा बढ़ने के कारण**
- प्राचार्य सोनी ने बताया कि बीकानेर जिले में अस्थमा बढ़ने की वजह डस्ट माइट, बढ़ता प्रदूषण प्रमुख कारण हैं। इस रोग के वर्तमान में बढ़ने के मुख्य कारण निम्न है :
- मरीज इन्हेलर का उपयोग करने से कतराते हैं, इन्हेलर को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियां
- अस्थमा का पूरा इलाज नहीं लेते हैं। लोगों का मानना है कि अस्थमा की दवा एक बार शुरू हो गई तो उम्रभर लेनी पड़ेगी। इन्हेलर का उपयोग करने से अस्थमा बढ़ता है।
- इन्हेलर से दवा लेने का प्रशिक्षित नहीं होने से दवा कब, कितनी और कैसे लेनी है, इसका ज्ञान नहीं होने से बीमारी बढ़ती है। दवा कम और ज्यादा नहीं करते हैं। अस्थमा में आराम मिलते ही मरीज इन्हेलर से दवा लेना बंद कर देते हैं। अस्थमा के मरीज को सर्वाधिक तकलीफ अक्सर सुबह चार से छह बजे के बीच होती है।
- **अस्थमा के प्रकार :**
- एलर्जिक अस्थमा : सबसे आम तरह के अस्थमा में एलर्जिक अस्थमा है, जो लगभग 60 फीसदी मरीजों को होता है ।
- नॉन एलर्जिकः नॉन एलर्जिक अस्थमा ऐसे कारकों से होता है, जो हवा में मौजूद होते हैं, लेकिन उनके बारे में आपको जानकारी नहीं होती या आपको उनसे एलर्जी नहीं होती.
- ओक्यूपेशनल अस्थमा : जब आप अपनी कार्यस्थितियों के कारण अस्थमा से पीड़ित हो जाते हैं तो उसे ओक्यूपेशनल अस्थमा कहते हैं.
- एक्सरसाइज इंड्यूश्ड ब्रोकोकोन्सट्रिक्शन - इस तरह के अस्थमा के लक्षण आमतौर पर व्यायाम शुरू करने के तुरंत बाद नजर आते हैं.
- एस्पिरिन इंड्यूश्ड अस्थमा - एस्पिरिन या अन्य दवा लेने के बाद जब अस्थमा के लक्षण उभरते हैं तो उसे एस्पिरिन इंड्यूश्ड अस्थमा कहते हैं. कफ वैरिएंट अस्थमा.
- अस्थमा का निदान : अस्थमा मरीजों को अपने बेहरत उपचार के लिए सबसे पहले श्वास लेने के प्रक्रिया की जांच करवानी चाहिए इसमें क्लिनिकल एग्जामिनेशन, ब्रीदिंग टैस्ट (स्पाइरोमिट्री), एक्सरे, खून जांच (इओसिनोफिल काउंट) जांचे प्रमुख है।
- **अस्थमा का इलाज क्या है ?**
- अस्थमा के लक्षण किस प्रकार के हैं, उसी के अनुसार इसका इलाज तय होता है. इंटरमीटेंट अस्थमा व्यक्ति की दैनिक दिनचर्या को प्रभावित नहीं करता है. इसमें लक्षण बहुत हल्के होते हैं और आमतौर पर हफ्ते में या महीने में 2 दिन तक परेशान करते हैं. जबकि माइल्ड अस्थमा के लक्षण हफ्ते में दो दिन से ज्यादा महसूस होते हैं, लेकिन रोज नहीं. इसमें लक्षण महीने में चार दिन तक रह सकते हैं. इसमें व्यक्ति की दिनचर्या पर हल्का असर पड़ता है. सीवियर अस्थमा के लक्षण हर दिन और लगभग हर रात परेशान करते हैं. इसमें व्यक्ति की दिनचर्या बुरी तरह से प्रभावित होती है.
- **अस्थमा का इलाज दो बातों को ध्यान में रखकर किया जाता है**
- सबसे पहले डॉक्टर आपकी उम्र, अस्थमा अटैक के कारण और स्थिति के आधार पर कोई एक इलाज या कई उपायों को मिलाकर इलाज करते हैं. कुछ त्वरित राहत देने वाले उपायों को सिर्फ अस्थमा अटैक आने पर ही इस्तेमाल किया जाता है. यह सांस लेने में होने वाली दिक्कत में तुरंत राहत पहुंचाते हैं। ब्रोंकियोडायलेटर्स का इस्तेमाल करने पर इन लक्षणों से तुरंत राहत मिलती है. आमतौर पर ब्रोंकियोडायलेटर्स को इंहेलर या नेबुलाइजर के जरिए दिया जाता है. इसके अलावा अस्थमा के इलाज के रूप में लंबे समय तक दवाएं लेनी होती हैं, जो बार-बार आने वाले अस्थमा अटैक की संख्या को कम करने के साथ ही गंभीर लक्षणों से राहत देती हैं. इसमें इंहेलर की मदद से कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाएं दी जाती हैं जो एयरवेज की सूजन कम करने, बलगम बनने की रफ्तार पर कम करने और श्वास लेने में मदद करती हैं. । एंटीकोलिनर्जिक्स दवाएं एयरवेज के आसपास की मांसपेशियों को टाइट होने से रोकती हैं. इन दवाओं को एंटीइंफ्लेमेटरी दवाओं के साथ रोज लिया जाता है। दुसरा इसमें सिवियर अस्थाम के मरीजों को तुरंत राहत और लंबे समय में अस्थमा के लक्षणों से छुटकारा दिलाने हेतु उपरोक्त उपचार के साथ इंजेक्शन या इंफ्यूजन के माध्यम से बायोलॉजिकल थैरेपी दी जाती है।

अचरोल में फ्लैगशिप योजनाओं में 1602 का हुआ रजिस्ट्रेशन

जयपुर। आमेर तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अचरोल में राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित महंगाई राहत कैंप का आयोजन आमेर कैंप प्रभारी असरदीप बराड़ की उपस्थिति में हुआ। कैंप में उप जिलाप्रमुख डागर ने कैंप प्रभारी के साथ लाभार्थियों को गारंटी कार्ड बांटें कैंप में स्वास्थ्य विभाग ओपीडी में 110 मरीज, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा में 657 चिरंजीवी दुघर्टना बीमा में 657 रजिस्ट्रेशन हुए। इसके साथ कामधेनु पशुधन बीमा योजना में 1602 किसान लाभान्वित हुए। 50 लाभार्थियों के वरिष्ठ योग्यजन परिवहन कार्ड बने।, राजस्व विभाग में 23 शुद्धीकरण , 76 नामांतरण, 8 विभाजन ,3 सीमाज्ञान, 76 राजस्व रिकार्ड नकले, 8 विभाजन हुए। 30 जाति / मुल प्रमाण पत्र बनाये गये। इस अवसर पर एआईसीसी सचिव विजय जाँगिड, कांग्रेस इलेक्शन कमिशन राजपाल बिष्ट, पीसीसी सचिव जसवंत सिंह गुर्जर, उप जिलाप्रमुख जयपुर मोहन डागर, ब्लॉक विकास अधिकारी राजबाला मीणा, आमेर तहसीलदार संतोष मीणा , अतिरिक्त विकास अधिकारी देवकी नन्दन शर्मा, सहायक विकास अधिकारी सुरेश जांगिड़ पंचायत समिति सदस्य सरदारमल पिंगोलिया, पूर्व सरपंच भैरूलाल यादव, राजेन्द्र राठौड़, सीएम गुर्जर, मोहन कुमार सैन, देवीसहाय मीणा, कानाराम गुर्जर, जगदीश बारोलिया, अनुराग सांखला, प्रितम गुप्ता, रामजीलाल यादव, कालुराम गुर्जर, राधेश्याम खटीक, रामदेव यादव, बद्रीनारायण मीणा सहित राजस्व, कृषि, परिवहन, विधुत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, नरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग के ब्लॉक स्तर अधिकारी मौजूद थे।

व्यापारी का अपहरण कर लूट करने वाली गैंग के शेष दो आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने बताया कि थाना ब्यावर सदर पर 14 अप्रैल को शाम करीब 8 बजे सूचना मिली कि रेडीमेड कपडो के व्यापारी भगवती प्रसाद पुत्र राधेश्याम निवासी काबरा को कुछ अज्ञात बदमाशों द्वारा काम से घर लौटते समय अपहरण कर लिया उपरोक्त अपरहण की घटना की गंभीरता को देखते हुए वारदात में आरोपीगण की तलाश व गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के सुपरविजन मे वृत्ताधिकारी वृत्त मसूदा ईश्वर सिंह (आरपीएस) के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम व थाना ब्यावर सदर से टीम का गठन किया गया गठित टीम द्वारा इस प्रकरण में पूर्व में तकनीकी साक्ष्यों का संकलन किया जाकर अलग-अलग स्थानों में से कुछ संदिग्ध ठिकानों को चिन्हित कर, मुखबीर तंत्र को सक्रिय कर एक विस्तृत योजना तैयार की व दल-बल के साथ दबिश देकर अपहृत भगवती प्रसाद को 15 अप्रैल को अपहरणकताओं के चंगुल से मुक्त करवा लिया व मुख्य सरगना व उसके तीन साथियों को घटना में प्रयुक्त कार सहित गिरफतार कर लिया था। पुलिस टीम को अब शेष दो आरोपियों की तलाश थी जो इस घटना में शामिल रहे थे। घटना के समय आरोपियों में से चार आरोपी कार से व दो आरोपी मोटरसाईकिल से पीडित के आगे पीछे चल रहे थे ताकि पीडित भाग ना सके। जालिया रोड पर सडक पर अंधेरे में पहुंच जाने पर आरोपियों ने पीडित का रास्ता रोक कर कार में पटका व कार व : मोटरसाईकिल सहित फरार हो गये। अपहरण कर पीडित सहित कार को कच्चे पक्के रास्तों से भगाते हुए ब्यावर से दूर ले गये व एक सुनसान जगह पर बंधक बना कर लूट की पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश हेतु उनके घर, रिश्तेदारों व अन्य छिपने की जगह दबिश दी। मगर शेष दोनों आरोपी घटना के बाद से ही फरार थे। टीम को इन दोनों आरोपियों के बारे में मुखबीर से सटिक सूचना मिली। जिस पर टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए शेष दोनों आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। आरोपियों से पूछताछ जारी है व अन्य तथ्यों के खुलासे की संभावना है पुलिस थाना ब्यावर सदर पर दर्ज इस प्रकरण में अपहृत को अपहरणकर्ताओ से मुक्त करवाने तथा अपहरण के मुख्य सरगना व उसके सभी साथियों को पकड़वाने में जिला स्पेशल टीम के कानि0 प्रवीन चौधरी तथा थाना ब्यावर सदर के कानि0 हरेन्द्र चौधरी का विशेष योगदान रहा है।इस प्रकार अपहरण व लूट की इस घटना में सभी आरोपियों को पुलिस की संगठित टीम के संयुक्त प्रयासों व संयम से इस पूरी घटना की गुत्थी सुलझाने, अपहृत को मुक्त करवाने, सभी आरोपियों को सरगना सहित गिरफतार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है ।

पुलिस गठित टीम में ये लोग शामिल थे

विजय सिंह उप निरीक्षक प्रभारी जिला स्पेशल टीम अजमेर, आशीष गहलोत है०का० जिला स्पेशल टीम अजमेर प्रवीण चौधरी कानि0 जिला स्पेशल टीम अजमेर (विशेष योगदान),मनोज सिंह कानि. जिला स्पेशल टीम अजमेर ,राजेन्द्र सिंह कानि0 जिला साईबर सैल, अजमेर। (विशेष योगदान), अजीत सिंह कानि0 जिला साईबर सैल, आजाद सिंह कानि., जिला साईबर सैल, अजमेर , सूर्यभान सिंह पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना ब्यावर सदर,कार्तिकेय लाटा आर. पी. एस. प्रो. थाना ब्यावर सदर,सुखराम है का. थाना ब्यावर सदर, हरेन्द्र चौधरी कानि0, सुशील टोगस कानि, अजय चौधरी कानि.,राजुराम चौधरी कानि, सुखपाल कानि, जालाराम कानि०

ये थे अभियुक्तगण

राजपाल पुत्र रामसुख ईरावा जाति जाट (उम्र 23 साल) निवासी साथिन पुलिस थाना पीपाड शहर जिला जोधपुर, प्रभजोत उर्फ प्रभु पुत्र बीरबलराम जाति बावरी (उम्र 20 साल) निवासी मालावास पुलिस थाना पीपाड़ शहर जिला जोधपुर।

सीआईएस प्रिंसिपल को मिला सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य अवार्ड

सितारा न्यूज नेटवर्क

सीकर।(विनोद धायल) सीएलसी द्वारा संचालित चेलासी स्थित सीबीएसई स्कूल सीआईएस की एकेडमिक प्रिंसिपल पारुल जोशी को सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया गया है। एशियन एजुकेशन अवार्ड समिति द्वारा दिल्ली में ताज ग्रुप द्वारा संचालित होटल विवांता में आयोजित समारोह में 28 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधानाचार्य में से पारुल जोशी को यह अवार्ड दिया गया। पारुल जोशी को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान तथा बच्चों के लिए विशेष कार्य करने के लिए दिया गया। विशेष बातचीत में पारुल जोशी ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारो का प्रयोग करते हुए छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करते हुए उनको भविष्य के लिए तैयार करना उनका मुख्य लक्ष्य है, और सीएलसी इंटरनेशनल स्कूल में इस कार्य को उनके द्वारा बखूबी अंजाम दिया जा रहा है। इस अवसर पर सीआईएस निदेशक समर चौधरी ने पारुल जोशी को बधाई एवं शुभकामना देते हुए बताया कि यह शेखावटी क्षेत्र के छात्रों के लिए बहुत ही फायदेमंद बात है कि पारुल के ज्ञान एवं अनुभव का फायदा उनको मिल रहा है। सीआईएस के समस्त स्टाफ तथा छात्रों पारुल को सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य अवार्ड मिलने पर शुभकामना देते हुए खुशी जाहिर की।

अलवर ग्रामीण विधानसभा में मेवात विकास बोर्ड भंग करने की उठी आवाज

डॉ पंकज गुप्ता (अग्रवाल) के नेतृत्व में ग्राम उमरैण में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण हुए लामबंद

सितारा न्यूज नेटवर्क

रुपेश शर्मा /अलवर। भाजपा नेता और ब्रजभूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ पंकज गुप्ता (अग्रवाल) के नेतृत्व में ब्रजभूमि कल्याण परिषद के तत्वाधान में अलवर ग्रामीण विधानसभा के क्षेत्र ग्राम उमरैण में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण हुए लामबंद हुए और मेवात विकास बोर्ड भंग करने की आवाज उठाई, ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में इस मौके पर गोष्ठी की और हाथों में तख्तियां लिए 20 फरवरी 1987 राजस्थान का काला दिवस, मेवात विकास बोर्ड भंग करो, श्री कृष्ण का यह अपमान ब्रजभूमि का यह अपमान नहीं सहेगा। हिंदुस्तान, ब्रज विकास बोर्ड का गठन करो, के नारे लगा रहे थे की मांग करते हुए ग्रामीणों ने ब्रज रक्षा मार्च निकाला, इस मौके पर बोलते हुए ब्रजभूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय संयोजक और भाजपा नेता डॉ पंकज गुप्ता (अग्रवाल) ने कहा राजस्थान सरकार ने 33 वर्ष पूर्व 20 फरवरी सन 1987 को अलवर व भरतपुर जिलों में मेवात विकास बोर्ड का निर्माण किया था. भगवान श्रीकृष्ण और उनकी आद्याशक्ति श्रीराधारानी की बाल लीलाभूमि ब्रज 84 कोस यात्रा के भी अभिन्न अंग कामवन व लठावन को राजस्थान सरकार द्वारा मेवात क्षेत्र की मान्यता दे दी थी. राजस्थान विधानसभा में मेवात विकास बोर्ड के निर्माण के समय रामगढ़ जिला अलवर के विधायक रघुवर दयाल गोयल के एक प्रश्न के उत्तर में सरकार ने कहा कि मेवात क्षेत्र में का निर्धारण " मुस्लिम धर्म की जनसंख्या के आधार पर किया गया है, जबकि भरतपुर के कलेक्टर द्वारा एक पत्र में लिखा गया था कि, "अब तक भरतपुर और अलवर जिले में अलग से सरकारी स्तर पर मेवात क्षेत्र की मान्यता नहीं है अर्थात अब अलवर व भरतपुर को मेवात बनाम हिंदू धर्म की जनसंख्या के आधार पर विभाजित किया जा रहा है। राजस्थान सरकार ने सन 1947 में देश के विभाजन और पाकिस्तान निर्माण के पीछे जो मुख्य कारण मुस्लिम बनाम हिंदू धर्म की जनसंख्या का आधार था. उसी को विकास का आधार मुस्लिम तुष्टिकरण द्वारा वोटबैंक की योजना मेवात विकास बोर्ड के आधार पर बना दिया । इस मौके पर अलवर से गीता परिवार के जिला अध्यक्ष अश्वनी जावली, ब्रजभूमि कल्याण परिषद के नगर अध्यक्ष यशवंत कुमार गुप्ता, सूबेदार सुमेर सैनी भाजपा जिला खेल संयोजक रजनीश बांगा, अलवर आदर्श नगर दाउदपुर के प्रमुख शैलेंद्र सिंह, ब्रजभूमि कल्याण परिषद के उमरेण ब्लॉक के प्रमुख नत्थू राम शास्त्री, रतिराम यादव, कैलाश कसाना, लक्ष्मीनारायण कसाना, श्रीराम यादव, गंगाराम यादव, गिरवर सिंह यादव, भगवान यादव, जगदीश सैनी, कालू यादव, बब्बू सैनी, जेपी शर्मा, गोविंद शर्मा, नंदराम यादव, कजोड़ गुर्जर, सिब्बू यादव, नीरज शर्मा, राम सिंह रामगढ़िया, आदि सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

बिना किसी गलती के बच्चे को डांट देना, पैरेंट्स के लिए सही नहीं है। इससे बच्चे के सुकोमल मन पर बुरा असर पड़ता है, बच्चे से आपके संबंध असहज हो सकते हैं। इसलिए जब भी बच्चे को भूल से डांटें तो तुरंत उससे सॉरी बोलें। इससे बच्चों को लगेगा, घर में उनका भी सम्मान है। उनके मन में भी आपके प्रति मान बढ़ेगा। आपसे जुड़ाव गहरा होगा और रिश्तों में मजबूती आएगी। बच्चे भी कभी गलती होने पर दूसरे के प्रति संवेदनशील होकर संस्कारवान बनेंगे।

बच्चों से आप भी कहें आय एम सॉरी

कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा

कभी बच्चे की पूरी बात सुने बिना ही आक्रोश जता दिया तो कभी उसका पक्ष जाने बिना ही उसे गलत ठहरा दिया। कभी किसी परिचित अपरिचित की छोटी-सी शिकायत पर सही बात जानने के बजाय बच्चे को बुरी तरह डांट दिया। कभी सहज समझाइश की परिस्थिति में भी बच्चे को जोर से डांट दिया। इतना ही नहीं, कई बार पैरेंट्स अपनी व्यस्तता और उलझनों का गुस्सा भी घर के बच्चों पर उतार देते हैं। ये सब हमारे घरों में आम है। इंसानी जीवन की उलझनों में यह सब टालना मुश्किल जरूर है, लेकिन बच्चों को बिना गलती के सजा क्यों मिले? विचारणीय यह भी है कि बड़ों से गलती हो जाने या बच्चे का बेवजह मन दुखाने के बाद उनसे माफी मांगने का बर्ताव हमारे घरों में आज भी नहीं दिखता। बच्चों से जुड़े रहने के लिए पैरेंट्स का भी कहना जरूरी है- आय एम सॉरी बेटा।

गलत है यह रिवायत

हमारे घरों में मानो यह रिवायत ही बन गई है, हम अपने बड़ों से तो सॉरी कह देते हैं, लेकिन छोटों से नहीं। जबकि जुड़ाव बनाए रखने और बच्चों को घर के बड़े सदस्यों के समान ही मान देने के लिए जरूरी है, उनसे भी सॉरी कहा जाए। याद रखें, अपने बच्चे के सामने या उसके साथ हमने कोई गलत बात की है तो उससे माफी मांगने में कोई बुराई नहीं है। यूं भी जाने-अनजाने किसी का दिल दुखाने के बाद सॉरी कह देने से कोई छोटा-बड़ा नहीं हो जाता है। बड़ों से भी गलतियां हो सकती हैं। बच्चे ही नहीं, पैरेंट्स भी गलतफहमियों का शिकार होकर बुरा बर्ताव कर सकते हैं। ऐसे में बच्चों के साथ रिश्ता सहज रखने के लिए माफी मांग लेना ना केवल उनके बालमन को अच्छा महसूस करवाता है बल्कि आपसी जुड़ाव को भी मजबूती देता है। बच्चों को यह भी लगता है कि अपने ही घर में उनका अपमान नहीं हो रहा। एक ताजा रिसर्च के अनुसार बच्चों से किसी गलती के लिए माफी मांगने पर भले ही पैरेंट्स बेहतर महसूस ना करें, लेकिन ऐसा करना उनके साथ बच्चों के रिश्ते को बेहतर रखने में मदद जरूर मिलती है।

पैरेंट्स का बढ़ता है मान

बच्चे के प्रति स्नेह जताने और अपनी गलती मान लेने का यह भाव असल में पैरेंट्स का भी सम्मान बढ़ाता है। बच्चों का पैरेंट्स के संतुलित और संवेदनशील व्यवहार में भरोसा बढ़ता है। उनकी सामाजिक जीवन को लेकर समझ बढ़ती है। अपने बर्ताव को लेकर वे सजग होते हैं। दूसरों से क्या कहना है, क्या नहीं कहना? उनका बालमन तार्किक रूप से समझता है। बचपन में पैरेंट्स का यह लचीला बर्ताव देखना बच्चों को विनम्रता सिखाता है। किसी का अपमान करना बच्चे के व्यवहार का हिस्सा नहीं बनता। गलती होने पर झुक जाने का भाव उनकी आदत का हिस्सा बन जाता है। पैरेंट्स से सीखीं ऐसी सभी बातें ना सिर्फ बच्चों के मन में पैरेंट्स का मान बढ़ाती हैं बल्कि अपनी गलती के बारे में खुलकर बताने का हौसला भी देती हैं, जिससे बच्चे अपनी गलतियों को दोहराने के बजाय आपको स्पष्ट बताकर माफी मांग लेंगे। समझना यह भी जरूरी है, बच्चे कम उम्र में ही बड़ों के व्यवहार के हर पहलू को समझने लगते हैं। गलती होने पर माफी मांग लेने का बर्ताव बच्चों को बहुत कुछ सिखाता है। रिसर्चर्स का मानना है कि छह या सात साल की छोटी उम्र के बच्चों को भी सॉरी कहना बहुत अहम है। यही वह उम्र है, जिसमें नई पीढ़ी के सामाजिक जीवन की बुनियाद बनती है। उनकी सोच को संवेदनाओं की नींव मिलती है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि उम्र के किसी भी पड़ाव पर संबंधों में आई खटास को खत्म करने में दिल से सॉरी कहना बहुत मदद करता है। इसीलिए बच्चों का मन और अपना मान बनाए रखने के लिए घर के छोटे सदस्यों से माफी मांगने में कोताही ना करें।

छोटे शब्द के बड़े मायने

सॉरी किसी से भी कहा जाए, यह एक शब्द भर नहीं है। इस छोटे से शब्द के अर्थ और असर दोनों ही बहुत गहरे हैं। फिर बच्चों से माफी मांगना तो अपने आपमें परवरिश का एक अहम पाठ लिए है। लेखिका जे. मिलबर्न के मुताबिक, 'हम जब अपने बच्चे से किसी गलती की माफी मांगते हैं, तब दुनिया को बदल रहे होते हैं। अगर हम बच्चों के साथ करुणा और सम्मान से पेश आते हैं, तो वे भी आगे चलकर दूसरों से भी उसी तरह पेश आना सीखते हैं।' वाकई करुणा और समानुभूति का यह भाव बच्चों के मन में भरे इसके लिए स्वयं पैरेंट्स को ही रोल मॉडल बनना होगा। पैरेंट्स को समझना होगा कि गलती हो जाने का अर्थ ही है बिना वजह किसी का दिल दुखाना। ऐसा व्यवहार करना जिससे सामने वाले को तकलीफ हुई हो, ऐसे में सॉरी कहने के लिए बड़े-छोटे का तो कोई फर्क होना ही नहीं चाहिए। बावजूद इसके हमारे घरों में यह भेदभाव मौजूद है। इस फर्क को मिटाने के लिए गलती होने पर पैरेंट्स भी बच्चों से माफी मांग सकते हैं। ऐसा संवेदनशील बर्ताव करते हुए आप अपने बच्चों को रिश्ते सहेजने और दूसरों के मन की तकलीफ को समझने का सबसे सुंदर पाठ पढ़ा सकती हैं।

लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन

मन में जब प्यारी-सुहानी यादें बसी होती हैं, तो हम हमेशा खुश रहते हैं और ऊर्जावान भी। इसके विपरीत जब यादें बुरी होंगी तो हम उदास रहेंगे और एक तनाव महसूस करेंगे। इसलिए मन में यादें हमेशा मीठी, सुहानी सहेजकर रखें। बुरी यादें, बुरे अनुभवों को भूल जाएं।

सुहानी यादों का करें सृजन
इन्हें सहेजकर भी रखें

हम अगर गौर करें तो पाएंगे कि हमारी जिंदगी अनगिनत अच्छे और बुरे पलों या घटनाओं की एक श्रंखला है। अब यह हम पर निर्भर करता है, हम अपना सारा ध्यान बुरी यादों और बुरी घटनाओं पर ही केंद्रित करके दुखी रहें या प्यारे-मीठे पलों को याद करके मुस्कुरा कर अपने दुखों से ध्यान हटाने की कोशिश करें।

खुशियों का भंडार हैं यादें : जी हां, यादें खुशियों का भंडार होती हैं। हैप्पीनेस रिसर्च इंस्टिट्यूट के शोधकर्ता मीक वाइकिंग और उनकी टीम ने 'हैप्पी मेमोरी' के बारे में स्टडी की, जिसके नतीजों को उन्होंने अपनी पुस्तक 'द आर्ट ऑफ मेकिंग मेमोरीज' में लिखा है। वाइकिंग ने पाया कि हमारी यादें खुशियों का भंडार होती हैं। अच्छी, प्यारी सुहानी यादों में एक ताकत होती है, जिनके सहारे हम अपने अकेलेपन, उदासी और चिड़चिड़ेपन से ही नहीं, अपने बुरे दौर से भी उबर सकते हैं। इसके लिए हमें सुहानी यादों का सृजन करने और इन्हें सहेजने की कला आनी चाहिए, साथ ही हमें नई अच्छी आदतें भी डालनी चाहिए।

आनंद के पलों में रम जाएं : यदि हमें तनावमुक्त और खुश रहना है तो हम आनंद के पलों में रमना सीखें। जब कभी हम समुद्रतट पर जाएं तो अठखेलियां करती लहरों का मजा लें। हम जब भी ऊपर नीले आसमान को देखें तो रुई के फाहों की मानिंद धवल बादलों का आनंद लें, हमें एक अलग ही अनोखा अहसास मिलेगा। जब कभी सुहाना मौसम हो तो एक नाव में अपने परिवार और मित्रों के साथ नौका विहार करें, अपने प्रियजनों का साथ आपको बहुत आनंद आएगा। लेकिन इस वक्त आप बजाए इसमें रमने के फोन पर यदि कोई टेंशन वाली बात किसी से कर रही होंगी या किसी बुरी घटना को याद करके उदास रहेंगी तो आपको ये सुहाने पल भला कैसे याद रहेंगे? इसलिए आनंद के पलों को भरपूर जिएं।

पांचों इंद्रियों को रखें सक्रिय : अपनी पांचों इंद्रियों को जागृत रखें। किसी शादी-विवाह के नृत्य-संगीत, खान-पान और हंसी-मजाक के सुनहरे पलों को अपनी यादों में संजोना हो या पिकनिक की मस्ती, किसी उद्यान या अभ्यारण के रोमांच को याद रखना हो या फिर दोस्तों के साथ बिताए गए पलों को अविस्मरणीय बनाना हो तो अपनी पांचों इंद्रियों को सक्रिय रखें। रमणीक दृश्यों को अपने मन में बसा लें। इन पलों को इस तरह सहेजें कि जब भी आप उदास हों तो इन्हें याद करके मुस्करा उठें।

कुछ करते रहें नया : हमेशा कुछ नया करने का उत्साह रखें। पहली बार का कोई भी अच्छा अनुभव हमें लंबे समय तक याद रहता है, यह एक प्रामाणिक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। इसलिए समय-समय पर कुछ नया करें। क्रूज पर सैर, स्कूबा डाइविंग, पैराग्लाइडिंग, पहाड़ों की सैर, ऊंट की सवारी जैसे रोमांचक अनुभव आप आजमा सकती हैं। अपने ही शहर के नए-नए क्षेत्रों में जाना भी आपको अच्छे अनुभव देगा।

यादों को संभालती रहें : अपने मेमोरी बैंक को टटोलती, संभालती रहें। जैसे- आप समय समय पर घर के फर्नीचर, शो पीस, बर्तन, किताबों या अन्य सामानों की धूल झाड़ती हैं, उनकी साफ-सफाई करके उन्हें चमकाती हैं, ठीक उसी प्रकार अपनी स्मृति भंडार में मौजूद अपनी यादों को संभालती रहें। वरना ये धीरे-धीरे धुंधली पड़कर अपनी चमक खो सकती हैं। इसके लिए स्मृति चिह्न, कैलेंडर, डायरी आदि का इस्तेमाल करना सीखें। आप कहीं भी जाती हैं तो वहां से खिलौने, स्मारकों के प्रतीक, की-रिंग या अन्य स्थानीय सजावटी सामान जरूर खरीदती होंगी। घर आकर इन्हें ऐसी जगह रखें, जहां इन पर नजरें पड़ती रहें। विशेष अवसरों के वीडियो और तस्वीरें रखें। उन्हें बीच-बीच में देखें। डायरी में यात्राओं या अन्य अनुष्ठानों से जुड़े संस्मरण लिखें। इन्हें यदा-कदा पढ़कर मुस्कुराती भी रहें।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

सीजन कोई भी हो स्किन पर हमेशा ग्लो बना रहे वो सॉफ्ट रहे, इसके लिए आप कुछ ईजी होम रेमेडीज का यूज कर सकती हैं। इसे कैसे बनाना और यूज करना है, इस बारे में डिटेल में जानिए।

ईजी होम रेमेडीज से पाएं ब्यूटीफुल स्किन

ब्राइट स्किन पाना हर महिला का सपना होता है। इसके लिए महिलाएं महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स से लेकर हर संभव जतन करती हैं। लेकिन इसके बाबजूद मनचाहे परिणाम ना मिलने पर कई बार उन्हें निराशा होती है। ऐसा आपके साथ ना हो, इसके लिए यहां बताए जा रहे कुछ आसान घरेलू उपायों को आजमाकर ग्लोइंग स्किन प्राप्त कर सकती हैं।

- एक-दो गेंदे के फूलों को पीसकर उसमें दही, चंदन का पावडर मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट लगाकर रखें। इससे चेहरे को ठंडक मिलेगी। पिंपल्स

और रैशेज रिमूव होंगे। यह पेस्ट एस्ट्रिंजेंट की तरह काम करते हुए फेस को ऑयल फ्री बनाएगा। इससे स्किन के पोर्स भी बंद होंगे।

- थोड़े से गुनगुने दूध में चोकर डाल कर कुछ देर रखें। फिर नहाने से पहले इसे चेहरे, गर्दन और पीठ पर लगाएं। सूखने पर नहा लें। रेग्युलर लगाने पर स्किन कॉम्पलेक्शन अट्रैक्टिव हो जाएगा।
- ताजे और कच्चे एवोकैडो पल्प में थोड़ा एलोवेरा जैल मिलाकर पैक बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर सादे पानी से साफ कर लें। एवोकैडो में कई तरह के विटामिंस, मिनरल्स और एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं। इससे स्किन के एजिंग साइन भी दूर होने लगते हैं।
- ऑयली स्किन के लिए 1 बड़ा चम्मच मूंग दाल को पानी में कुछ देर भिगोकर रखें फिर इसे पीसकर पेस्ट बनाएं। इसमें मैश किया टमाटर मिलाएं। अब इस पैक को चेहरे पर लगाकर इसे हल्के हाथ से चेहरे की मसाज करें। 20 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

- खीरे के पल्प और पके पपीते को मैश कर इसमें थोड़ी दही मिलाएं और कुछ बूंदें नीबू का रस डालें। अब इस पैक को चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद चेहरा धो लें। इससे टैनिंग दूर होती है।
- मुलतानी मिट्टी में कई यूजफुल मिनरल्स पाए जाते हैं। इसका मास्क लगाने से स्किन के ऑयल ग्लैंड्स कंट्रोल होते हैं। फेस ड्राय और डल नहीं दिखता।
- 2 छोटे चम्मच चोकर में 1 छोटा चम्मच बादाम का पावडर, शहद, दही, अंडे का सफेद हिस्सा और रोज वॉटर मिलाएं। इस तरह तैयार पैक को आंखों और होंठों के आस-पास का हिस्सा छोड़ कर पूरे चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद धो लें। फेस पर ग्लो आएगा।
- नॉर्मल स्किन के लिए फ्रूट्स फेस पैक लगाना कारगर होता है। इसके लिए तरबूज, पपीता, अनार में से किसी भी एक फल को लेकर उसका रस या पल्प निकालें और उसमें शहद या तीबू की रस की कुछ बुंदें मिलाएं। इस पैक का रोज इस्तेमाल करें।
- ऑयली स्किन के लिए मुलतानी मिट्टी को गुलाब जल के साथ मिक्स करें। इसे चेहरे पर लगाएं और सूखने पर सादे पानी से धो लें।
- एक्ने प्रोन स्किन के लिए मुलतानी मिट्टी में चंदन पावडर, रोज वॉटर और नीम की सूखी पत्तियों का पावडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट के बाद सादे पानी से धो लें।

टीवी एक्ट्रेसेस का समर डाइट फंडा

स्टार्स ट्रिक

गरिमा परिहार

सोनी सब के सीरियल 'पुष्पा इंपॉसिबल' में दीप्ति पटेल की भूमिका गरिमा परिहार निभा रही हैं। वह बताती हैं, 'एक एक्ट्रेस के रूप में मुंबई की चिलचिलाती गर्मी के दौरान शूटिंग करना ईजी नहीं होता है। ऐसे सीजन को फेस करने के लिए मैं यह एश्योर करती हूं कि दिन भर खुद को हाइड्रेटेड रखूं। सूरज की हार्मफुल यूवी रेज से बचने के लिए बाहर निकलने पर मैं छाते का यूज करती हूं और गर्मी को मात देने के लिए थिन, लाइट ड्रेसेस पहनती हूं। मैं शूटिंग सेट पर शॉट्स के बीच में ब्रेक लेने की भी कोशिश करती हूं और रेस्ट करने के साथ खुद को फ्रेश रखने के लिए शांत जगह पर कुछ देर रिलैक्स होकर बैठ जाती हूं। एनर्जेटिक-फ्रेश फील करने के लिए मैं अपने साथ कुछ हेल्दी ड्रिंक या फ्रूट्स भी रखती हूं और बीच-बीच में इनका सेवन करती हूं।'

कावेरी प्रियम

सोनी सब चैनल के सीरियल 'दिल दियां गल्लां' में अमृता का किरदार निभाने वाली कावेरी प्रियम समर सीजन के अपने डाइट प्लान के बारे में बताती हैं, 'मुंबई में गर्मियों के दिन बहुत हॉट होने के साथ ह्यूमिड भी होते हैं। इसलिए इस सीजन का सामना करने के लिए मैंने कुछ रूल्स बनाए हैं, जिन्हें मैं मिस नहीं करती हूं। स्पेशली खुद को शूटिंग के दौरान एनर्जेटिक और हाइड्रेटेड रखने के लिए मैं पानी, जूस और अन्य लिक्विड डाइट का सेवन बढ़ा देती हूं। इसके साथ ऑयली-स्पाइसी फूड्स का इनटेक कम कर देती हूं। मैं कितनी भी बिजी रहूं, दिन भर में पर्याप्त लिक्विड डाइट लेना सुनिश्चित करती हूं। खासतौर पर इस दौरान नारियल पानी पीना मुझे बहुत पसंद है। इसके अलावा कुछ टेस्टी पीने का मन होने पर मैं मिल्कशेक पीना पसंद करती हूं। शूटिंग के बिजी शेड्यूल के बावजूद, मैं रेस्ट करने और हाइड्रेट करने के लिए रेग्युलर ब्रेक लेती हूं।'

शुभांगी अत्रे

एंड टीवी के सीरियल 'भाभीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी यानी शुभांगी अत्रे अपनी समर स्पेशल डाइट रूटीन के बारे में बताती हैं, 'गर्मी के मौसम में अच्छे डाइजेशन और ठंड के अहसास के लिए मैं दही जरूर खाती हूं। इसमें प्रोबायोटिक्स की अच्छी मात्रा होती है। इसके अलावा डाइजेशन के लिए छाछ भी बेहतरीन पेय है और इसमें अगर भुना जीरा मिलाकर पिएं तो और फायदेमंद हो जाता है। इसके अलावा मैं छाछ को चटपटा बनाने के लिए इसमें ताजी अदरक या सूखी अदरक का पावडर और काली मिर्च पावडर डालकर पीना पसंद करती हूं। इससे ताजगी भरा अहसास होता है। इसके साथ ही गर्मी के मौसम में रोज सुबह अपने पीने के पानी में सब्जा के कुछ बीज डाल लेती हूं। इससे पूरे दिन शरीर को ठंडक मिलती है।'

कामना पाठक

एंड टीवी पर टेलीकास्ट हो रहे सीरियल 'हप्पू की उलटन-पलटन' में राजेश सिंह का रोल प्ले कर रहीं कामना पाठक कहती हैं, 'खुद को हाइड्रेट रखने के लिए मुझे गर्मी के दिनों में गन्ने का रस पीना सबसे ज्यादा अच्छा लगता है। इसमें अगर नीबू और पुदीना मिला लें तो इसका स्वाद और बढ़िया हो जाता है। इसे पीने से तुरंत एनर्जी मिलती है। साथ ही इससे कई न्यूट्रिएंट्स भी मिलते हैं। यह शरीर में हाइड्रेशन को बढ़ाता है, थकान और डिहाइड्रेशन को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा इस सीजन में मैं लंच में टमाटर, खीरा और ककड़ी जरूर लेती हूं। ये बहुत पौष्टिक तो होते ही हैं, इसमें पानी की अच्छी मात्रा होने की वजह से हमें हाइड्रेटेड और तरोताजा रखते हैं। इस तरह मैं समर सीजन को ईजिली फेस कर लेती हूं।'

प्रस्तुति : सहेली फीचर्स

टिप्स / मधु सिंह

समर सीजन में फील करें फ्रेश-कूल

गर्मी के मौसम में जब पारा लगातार ऊपर चढ़ने लगता है तो घर के बाहर ही नहीं घर में भी बेचैनी महसूस होती है। दिन के समय बहुत आलस आता है। जरा-सा काम करने पर ही थकान लगने लगती है। मूड भी चिड़चिड़ा रहता है। बार-बार पसीना आने से ईरिटेशन फील होता है, शरीर से दुर्गंध भी आने लगती है। इन तमाम परेशानियों और बेचैनियों से राहत पाने के लिए कुछ उपाय आजमा सकती हैं।

ठंडे-ठंडे पानी से नहाएं : इन दिनों केवल एक बार के बजाय दो या तीन बार ठंडे पानी से नहाएं। जब भी नहाएं शरीर पर स्क्रबर का प्रयोग जरूर करें, क्योंकि पसीने में जर्म्स पनपने लगते हैं। इन्हें दूर करने से ही बॉडी स्मेल दूर होती है। नहाते समय शरीर के सभी हिस्सों गर्दन, बांह के नीचे और पैरों को अच्छी तरह से साफ करें। स्मेल से छुटकारा पाने और तरोताजगी भरे एहसास के लिए नहाते समय पानी में गुलाब जल मिलाएं। चंदन, गुलाब और खसयुक्त शावर और बॉडी शैंपू का इस्तेमाल भी बहुत राहत देता है। इनसे घमौरियों से

बचने में भी मदद मिलती है।

डियोड्रेंट-परफ्यूम करें यूज: गर्मियों में बॉडी स्प्रे की बजाय रोल ऑन डियोड्रेंट का इस्तेमाल ज्यादा इफेक्टिव होता है। लेकिन डियोड्रेंट की खुशबू ज्यादा तेज नहीं होनी चाहिए। इसे खरीदने से पहले स्किन टेस्ट कर लें कि कहीं इससे शरीर में कोई एलर्जी तो नहीं हो रही। टेस्ट करने के लिए अपनी बांह में इसे लगाकर देखें। अगर थोड़ी देर में जलन होने लगे तो इसके इस्तेमाल से बचें। गर्मी के दिनों में नीबू की ताजगी भरी खुशबू वाले परफ्यूम सबसे ज्यादा काम के होते हैं। यह भी सुनिश्चित करें कि इन दिनों इस्तेमाल किए जाने वाले परफ्यूम की महक हल्की और सुकून देने वाली हो। तेज परफ्यूम की खुशबू से हेडेक हो सकता है। इस सीजन में नीबू, गुलाब या चंदन की स्मेल वाला परफ्यूम इस्तेमाल करना बेस्ट होता है।

खुद को हाइड्रेट रखें : गर्मी के दिनों में शरीर में अकसर पानी कम हो जाता है। ऐसे में शरीर में पानी की भरपाई करना जरूरी है। इसके लिए प्रतिदिन 8-10 गिलास पानी जरूर पीएं। नीबू का सेवन ज्यादा करें। डिब्बाबंद ड्रिंक्स की बजाय ताजे फलों का जूस लें। जूस के अलावा हर्बल ड्रिंक्स पी सकती हैं। गर्म चाय-कॉफी की बजाय आइस टी लें। जलजीरा पीने से भी कूल-फ्रेश फील होगा। रसदार, मौसमी ताजे फल खाएं। इससे शरीर में पानी का संतुलन बना रहता है।

कॉटन ड्रेसेस-एसेसरीज : समर सीजन के लिए कॉटन अंडरगार्मेंट्स परफेक्ट होते हैं। ऐसे गारमेंट्स, पसीने को जल्दी सोखते हैं। इसके अलावा इन दिनों कॉटन, शिफॉन की ही ड्रेस पहनें। गर्मियों में ज्वेलरी पहनने से काफी गर्मी का एहसास होता है, इसलिए इन दिनों ज्वेलरी पहनने से बचें।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भारत और ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच हुई बैठक

नई दिल्ली

भारत और ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) के बीच सोमवार को तेहरान में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें मुख्य रूप से आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के अलावा जरूरी क्षेत्रीय, अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों पर व्यापक रूप से चर्चा की गई। भारत के एनएसए अजीत डोभाल और ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव रियर एडमिरल अली शामखानी के बीच यह वार्ता हुई। दोनों देशों के बेहद प्राचीन समय से संबंध रहे हैं और उसी के तहत उच्च स्तरीय वार्ताओं का सिलसिला भी चलता रहता है।

सामरिक दृष्टि से ईरान की खासी अहमियत

ईरान फारस की खाड़ी और कैस्पियन सागर के बीच सामरिक और भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण जगह पर स्थित है। इसके अलावा पाकिस्तान द्वारा जमीनी मार्ग की अनुमति न दिए जाने की स्थिति में ईरान भारत को अफगानिस्तान और केंद्रीय एशियाई देशों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। यहां दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के प्रचुर भंडार मौजूद हैं। ईरान और भारत ने वर्ष 1990 में अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ गठित की गई नॉर्दन एलायंस की सरकार का समर्थन भी किया था। भारत और ईरान अलकायदा जैसे आतंकी समूह से आतंकवाद को लेकर जूझ रहे हैं। केंद्रीय एशिया के देशों और रूस से व्यापार के लिए भी ईरान भारत के एक जरूरी पड़ाव बिंदु की तरह है। वर्ष 2000 में भारत, रूस और ईरान के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे।

नार्थ-साउथ कॉरिडोर का महत्व

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय नार्थ-साउथ कॉरिडोर जहाज, रेल, सड़क से माल को भारत, ईरान, रूस, यूरोप और केंद्रीय एशियाई देशों को भेजने का बेहद अहम मल्टीमॉडल परिवहन मार्ग है। यह हिंद महासागर और फारस की खाड़ी से कैस्पियन सागर से ईरान से होते हुए रूस के सेंट पीटर्सबर्ग तक पहुंचता है। वर्ष 2021 में ईरान के राजनीतिक मामलों के उप विदेश मंत्री अली कानी ने भारत की यात्रा की थी। जो दोनों देशों के प्राचीन और परंपरागत संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत थी। इसके अलावा उनकी ये यात्रा ईरान की तत्कालीन नई सरकार की एशियाई विदेश नीति से जुड़ी हुई है।

खबर संक्षेप

पूर्व गृह मंत्री प्रीति को अश्लील और धमकी भरा लेटर देने वाले को जेल

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल की पूर्व गृह मंत्री प्रीति पटेल को गाली और धमकी देने के आरोप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के एक कार्यकर्ता को पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। खबर के अनुसार हैकनी निवासी पूनीराज कनकिया ने जनवरी 2022 में पटेल को धमकी भरा पत्र भेजा था। तब पटेल बोरिस जॉनसन की सरकार में गृह विभाग की प्रभारी थी। कनकिया ने इस लेटर को व्यक्तिगत के रूप में चिन्हित किया और उसे उम्मीद थी कि पटेल इसे खुद खोलेंगी, लेकिन सुरक्षा कर्मचारियों ने इसे पटेल तक जाने से पहले ही अपने कब्जे में ले लिया था।

राष्ट्रपति का ऐलान, तुर्की ने मार गिराया इस्लामिक स्टेट का सरगना

अंकारा। आतंकी संगठन सरगना अबू हुसैन अल-कुरैशी मारा गया है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने ऐलान किया है कि सीरिया में एक खुफिया ऑपरेशन के दौरान आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के चीफ को मार गिराया गया। एर्दोगन के हवाले से बताया गया कि तुर्की की खुफिया एजेंसी एमआईटी (एमआईटी) लंबे समय से आईएसआईएस नेता पीछा कर रही थी। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा कि यह पहली बार है जब मैं यहां यह कह रहा हूं कि एमआईटी ने शनिवार को चलाए गए अभियान में आईएसआईएस के सरगना को मार गिराया।

पीएम उम्मीदवार ने चुनाव से दो हफ्ते पहले दिया बच्चे को जन्म

बैंकॉक। थाईलैंड में दो हफ्ते बाद आम चुनाव होने हैं। ऐसे में सियासी पारा चरम पर है। चुनाव में प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवार पेटोंगटारन शिनावात्रा का नाम चर्चा का विषय बना हुआ है। देश की राजनीति को करीब से समझने वाले बता रहे हैं कि पेटोंगटारन शिनावात्रा की स्थिति बेहद मजबूत है। चुनाव के करीब दो हफ्ते पहले उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया है। विपक्षी फीयू थाई पार्टी का नेतृत्व करने वाली 36 वर्षीय राजनेता ने अस्पताल से तस्वीर जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि जल्द मैं आप सभी के बीच लौटूंगी।

मैक्सिकोः गहरी खाई में बस गिरने से 18 की मौत, 33 लोग घायल

मैक्सिको। पश्चिमी मैक्सिको में शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में अब तक 18 लोगों के मारे जाने और 33 अन्य के घायल होने की खबर है। बता दें, यह बस गुआयाबिटोस जा रही थी। रविवार को नागरिक सुरक्षा अधिकारी पेड्रो नुनेज ने बताया कि बस पास के राज्य जलिस्को में गुआडालाजारा से 220 किलोमीटर की यात्रा कर रही थी। पर्यटकों को ले जा रही बस सड़क से उतर गई और खाई में जा गिरी। जिस वक्त यह बस हादसे का शिकार बनी उस वक्त यह नायरिट में गुआयाबिटोस के समुंदर के किनारे रिजॉर्ट क्षेत्र में जा रही थी।

स्पेन में दो अल्ट्रालाइट विमानों के टकराने से चार की मौत

मैड्रिड। स्पेन में हवाई अड्डे के पास दो अल्ट्रालाइट विमान टकरा गए, इससे चार यात्रियों की मौत हो गई। हादसा रविवार को पूर्वोत्तर स्पेन में हुआ। घटना के बाद हवाई अड्डे पर अफरातफरी मच गई। फायरफाइटर्स ने बार्सिलोना के उत्तर में मोइया हवाई अड्डे के पास जंगली क्षेत्र में एक विमान को जली हालत में पाया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक दोनों विमानों के टकराने के बाद हवा में ही आग लग गई। इसके बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान के अंदर दो शव मिले। कई घंटे बाद दो मृत लोगों के साथ दूसरा क्षतिग्रस्त विमान भी मिला।

जिन एप्स से पाकिस्तान से मैसेज मिलता था उन पर सरकार की स्ट्राइक

केंद्र ने बैन किए 14 मैसेंजर एप्स आतंकवादी कर रहे थे इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 14 मोबाइल मैसेंजर एप को किया ब्लॉक कर दिया है। इन मैसेंजर एप्स का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों में किया जा रहा था। इन मोबाइल मैसेंजर एप का इस्तेमाल आतंकी कर रहे थे। इन्हीं एप्स के जरिए आतंकियों को पाकिस्तान से मैसेज मिलता था।

ये क्रिपवाइजर, पहेली, सेफ्सविज, विकरमे, मीडिया फायर, जंगली गुलाब, बीचेट, नंदबॉक्स, शंख, आईएमओ, तत्व, दूसरी पंक्ति, जैंगि, थेरेमा एप्स हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश की कई जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई है उसके बाद सरकार ने इन एप्स पर बैन लगाया है। इन एप्स का इस्तेमाल कश्मीर में आतंकवादी अपने समर्थकों और ऑन-ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के साथ मैसेज भेजने और चैटिंग करने के लिए कर रहे थे। इन एप्स के डेवलपर्स भारत में नहीं हैं और न ही इन एप्स को भारत से ऑपरेट किया जा रहा है। इन एप्स को डेवलप करने वाली कंपनियों के ऑफिस भी भारत में नहीं हैं। भारतीय कानूनों के अनुसार जानकारी मांगने के लिए एप्स की कंपनियों संपर्क नहीं किया जा सकता था।

एप्स का इस्तेमाल कश्मीर में आतंकवादी अपने समर्थकों और ऑन-ग्राउंड वर्कर्स के साथ मैसेज भेजने और चैटिंग करने के लिए कर रहे थे। इन एप्स के डेवलपर्स भारत में नहीं हैं और न ही इन एप्स को भारत से ऑपरेट किया जा रहा है। इन एप्स डेवलप करने वाली कंपनियों के ऑफिस भी भारत में नहीं हैं।

क्रिपवाइजर, पहेली, सेफ्सविज, विकरमे, मीडिया फायर, जंगली गुलाब, बीचेट, नंदबॉक्स, शंख, आईएमओ, तत्व, दूसरी पंक्ति, जैंगि, थेरेमा एप्स को किया गया बैन।

इन एप्स को डेवलप करने वाली कंपनियों के ऑफिस भी भारत में नहीं है

भारतीय कानूनों के अनुसार एप्स की कंपनियों से संपर्क नहीं किया जा सकता

एप्स को ट्रैक नहीं किया जा सकता

इन एप्स को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इन्हें ट्रैक नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा इन एप्स के डेवलपर्स का पता लगाना भी मुश्किल है। विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से गृह मंत्रालय ने पाया कि ये मोबाइल एप आतंकवादियों और उनके सहयोगियों को गतिविधियों में शामिल होने में मदद करते थे।

छिपकर कैसे काम करते हैं मैसेजिंग एप?

आमतौर पर साइबर चोर और आतंकी ऐसे एप्स का इस्तेमाल करते हैं जो कम लोकप्रिय होते हैं। ऐसे में इन एप्स के बारे में सरकार को जल्दी जानकारी नहीं मिल पाती। इसके अलावा आतंकी डार्क नेट के जरिए भी चैटिंग करते हैं। ऐसे में उन्हें ट्रैक करना काफी मुश्किल होता है। बता दें कि आतंकी पहले टेलीग्राम एप्स का भी इस्तेमाल करते थे। आतंकी अक्सर टोर ब्राउजर के जरिए अपने साथियों से बात करते हैं। टोर ब्राउजर में आईपी एड्रेस लगातार बदलते रहता है। ऐसे में किसी को ट्रैक करना मुश्किल होता है।

एप्स की किसी को भनक तक नहीं लगती

केंद्र सरकार ने जिन 14 मोबाइल एप को बैन किया है, वे सभी मल्टीमीडिया मैसेजिंग एप्स हैं। इनमें से सबसे पॉपुलर एप आईएमओ है। इसका इस्तेमाल लंबे समय से भारतीय यूजर्स भी कर रहे हैं। कई लोगों को पता ही होगा कि जब वाट्सएप का वीडियो कॉल इतना एडवांस नहीं हुआ था, तब से पूरा देश आईएमओ एप का इस्तेमाल कर रहा है। आईएमओ में भी वाट्सएप की तरह स्टीकर्स और कॉलिंग की सुविधा है। आईएमओ एप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह कम रैम और कम स्टोरेज वाले फोन में भी आराम से काम करता है, क्योंकि इसकी साइज छोटी है। इसमें एक साथ 20 लोग वीडियो कॉल कर सकते हैं। इस एप को पेज बिटस इनक नाम की कंपनी ने डेवलप किया है जो कि अमेरिकी कंपनी है।

सूडानः सऊदी अरब में करेंगे बातचीत

सेना और अर्धसैनिक बलों का संघर्ष विराम का ऐलान

एजेंसी ▶▶ खार्तूम

सूडान में सेना और पैरामिलिट्री फोर्स के बीच खूनी संघर्ष से कई लोगों की मौत हो गई। भारत के फंसे नागरिक भी ऑपरेशन कावेरी के तहत भारत लाए गए। इसके लिए विशेष विमान भेजे गए थे। इन सबके बीच सूडान की सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल के जनरल वार्ता के लिए सहमत हो गए हैं। वे अपने अपने प्रतिनिधि संभवत, सऊदी अरब भेजने के लिए सहमत हो गए हैं। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। फिर भी खार्तूम में दोनों पक्षों के बीच झड़पें हुई हैं।

संघर्ष विराम स्थापित करने पर देंगे जोर

सूडान के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष प्रतिनिधि वोल्कर पर्थेस ने कहा कि वार्ता में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की निगरानी में स्थिर एवं विश्वसनीय संघर्ष विराम स्थापित करने पर शुरुआत में जोर दिया जाएगा। पिछले हफ्ते अस्थाई संघर्ष विराम ने कुछ इलाकों में संघर्ष को घटाया है, जबकि अन्य क्षेत्रों में भीषण लड़ाई जारी है।

चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे वायुसेना प्रमुख

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल वी.आर.चौधरी सोमवार से श्रीलंका की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। जिसमें वह श्रीलंका के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, रक्षा सचिव समेत श्रीलंका की सशस्त्र सेनाओं (वायुसेना, सेना और नौसेना) के प्रमुखों यानी कमांडरों के साथ मुलाकात करेंगे। उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के मौजूदा पेशेवर संबंध व सहयोग और अधिक मजबूत होंगे। वायुसेना ने बताया कि वायुसेनाध्यक्ष एयरचीफ मार्शल चौधरी को इस यात्रा के लिए श्रीलंका की वायुसेना के प्रमुख यानी कमांडर एयर मार्शल एसके पथिराना ने आमंत्रित किया था। गौरतलब है कि मौजूदा समय में भारत का यह निकट पड़ोसी द्वीपीय देश श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। भारत ने श्रीलंका को अब तक 4 बिलियन डॉलर की वित्तीय मदद प्रदान की है। इ स के अ ला वा संकट की शुरुआत में मदद के लिए कच्चा तेल और जरूरी जीवनरक्षक दवाओं की खेप भी भेजी है। वायुसेना ने ये भी बताया कि वायुसेनाप्रमुख श्रीलंका के राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के छात्र अधिकारियों के साथ भी मुलाकात करेंगे और श्रीलंका की वायुसैन्य अकादमी भी जाएंगे।

बता दिया शादीशुदा हूं तो लिवइन पार्टनर से नहीं किया गया धोखा

कलकत्ता हाई कोर्ट ने की टिप्पणी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कलकत्ता हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए टिप्पणी की और कहा, कोई शख्स लिवइन रिलेशनशिप में आने से पहले अपने पार्टनर को शादीशुदा होने या फिर बच्चे होने की जानकारी दे देता है तो इसे धोखा नहीं मानना चाहिए। निचली अदालत ने एक होटल के मालिक पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। आरोप था कि उसने अपनी लिवइन पार्टनर को धोखा दिया और शादी का वादा करके मुकर गया। जस्टिस सिद्धार्थ रॉय चौधरी फैसले में कहा कि अगर कोई जानबूझकर किसी को अंधेरे में रखता है और सही जानकारी नहीं देता है तो वह धोखा दे रहा है।

कोई जानबूझकर किसी को अंधेरे में रखता है तो धोखा होगा

साबित करना होगा शादी करने का वादा किया

अगर धोखेबाजी को साबित करना है तो यह भी साबित करना जरूरी है कि आरोपी ने किसी को शारीरिक संबंध बनाने के लिए राजी करने के लिए ही शादी करने का वादा किया। कोई व्यक्ति शादीशुदा जीवन या फि बच्चों की जानकारी छिपाता नहीं है तो उस संबंध में अनिश्चितता आ जाती है। रिश्ता शुरू होते ही बताता है कि उसके संबंध में रिस्क है तो इसे धोखा नहीं कहा जाएगा। इस संबंध में 2015 में महिला ने प्रगति मैदान पुलिस थाने में केस दर्ज करवाया था।

भारत ने किया तेल का गजब खेल

रूस से खरीदा तेल यूरोपीय देशों को रिफाइंड करके बेच रहा भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने गजब तेल का खेल किया है। जिन यूरोपीय देशों ने रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत के प्रति नाराजगी जताई थी। अब भारत उन्हें ही रूस के कच्चे तेल को रिफाइंड करके बेच रहा है। दरअसल भारत के पास ऑइल रिफाइन करने की क्षमता अधिक है। एनालिटिक्स फर्म केप्लर की हालिया रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि भारत इस महीने रिफाइंड पेट्रोलियम का यूरोप का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यूरोपीय यूनियन ने दिसंबर 2022 में रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था। रूस के रिफाइंड तेल उत्पादों पर भी प्रतिबंध लगाए थे।

यूरोप ने दिसंबर 2022 में रूसी कच्चे तेल पर बैन लगा दिया था

प्रतिबंध से यूरोप में आई तेल की किल्लत

रूस से यूरोप अपने इस्तेमाल का 30 फीसदी तेल खरीदता था। लेकिन जंग शुरू होने के बाद प्रतिबंध लग जाने के कारण वे रूस से तेल नहीं खरीद पाए और उनके यहां तेल की किल्लत हो गई। यूरोपीय देशों की इसी किल्लत को भारत पूरा कर रहा है। भारत की तेल कंपनियां इस कमी को पूरा करने का बीड़ा उठा रही हैं। अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 के बीच भारत ने यूरोप को 1.16 करोड़ टन रिफाइंड पेट्रोलियम का निर्यात किया।

लोक सभा अध्यक्ष ने संसद भवन परिसर में रेल सहायकों से मुलाक़ात की

नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर संसद भवन परिसर में रेल सहायकों से मुलाक़ात की। इस अवसर पर श्री बिरला ने देश और समाज के प्रति रेल सहायकों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। रेल सहायकों के परिश्रम और सेवाभाव की प्रशंसा करते हुए श्री बिरला ने कहा कि रेल सहायक स्टेशन पर यात्रियों के भारी सामान को अपने सिर, कंधे पर रखकर उन्हें उनकी मंजिल तक पहुँचाते है और यात्रियों को प्लेटफ़ॉर्म, कोच की जानकारी देते हैं जिससे रेल में सुविधाजनक सफ़र का विस्तार संभव हुआ है। श्री बिरला की पहल पर रेल सहायक पहली बार संसद भवन की यात्रा पर आए थे।

हाथों में राइफल, कंधे पर तिरंगा और जुबान पर भारत माता की जय

जंग की बारीकियां सीख रहे भारत और ब्रिटेन के जवान

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय सेना के वीर जवान इन दिनों ब्रिटेन में अजेय वॉरियर 2023 नाम के युद्धाभ्यास कर रहे हैं। भारत और यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैंड) के बीच संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास अजेय वॉरियर 2023 की शुरुआत हो चुकी है। इस बार इस युद्धाभ्यास का आयोजन यूनाइटेड किंगडम के सैलिसबरी मैदान में किया जा रहा है। अजेय वॉरियर युद्धाभ्यास 27 अप्रैल को शुरू हुआ था। 11 मई को समापन से पहले दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने और युद्ध की कई कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। युद्धाभ्यास अजेय वॉरियर भारत का यूनाइटेड किंगडम के बीच हर दो साल में एक बार आयोजित किया जाता है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण अक्टूबर 2021 में उत्तराखंड के

- दोनों देशों की सेनाओं के युद्ध की कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा
- अजेय वॉरियर हर दो साल में एक बार आयोजित किया जाता है

इन रेजिमेंट के जवान शामिल

युद्धाभ्यास में यूनाइटेड किंगडम से सेकंड रॉयल गोरखा राइफल्स के सैनिक और भारतीय सेना की बिहार रेजिमेंट के सैनिक इस सैन्य अभ्यास में भाग ले रहे हैं। भारतीय सेना की टुकड़ी वायु सेना के सी-17 विमान से 26 अप्रैल को स्वदेशी हथियारों और उपकरणों के साथ ब्रीज नॉर्टन पहुंची थी।

यह है युद्धाभ्यास का उद्देश्य

इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य सकारात्मक सैन्य संबंधों का निर्माण करना, एक-दूसरे की सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को अपनाना और संयुक्त राष्ट्र के शासनादेश के तहत शहरी और ग्रामी माहौल में एक साथ काम करने की क्षमता को बढ़ावा देना है।

जवान जोश से भरे

अजेय वॉरियर युद्धाभ्यास में शामिल होने वाले भारतीय सेना के जवान जोश से भरे हुए हैं। उन्होंने युद्धाभ्यास के शुरुआती दिनों में ही अपनी ताकत का लोहा मनवा दिया है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

आवासन मण्डल की एक और नई पहल

मंडल और नरेडको के सहयोग से प्रदेश के 20 हजार निर्माण श्रमिकों का देगा ऑन साइट कौशल प्रशिक्षण

नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल और मण्डल के बीच हुआ खास एमओयू साइन

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। केंद्रीय एजेंसी नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल राजस्थान आवासन मंडल के सहयोग से आगामी 2 वर्षों में 'निपुण' (नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर प्रमोशन ऑफ अपस्किलिंग ऑफ निर्माण वर्कर्स) कार्यक्रम के तहत राज्य के 20 हजार निर्माण श्रमिकों को ऑन साइट कौशल प्रशिक्षण देगी। इसके लिए दोनों संस्थाओं ने मंगलवार को एक महत्त्वपूर्ण एमओयू साइन किया। आवासन मंडल के मुख्यालय 'आवास भवन' में हुए इस खास एमओयू के दौरान नरेडको के वाइस प्रेसिडेंट अशोक पाटनी, डिप्टी डायरेक्टर नीलाभ गंगवार और आवासन मंडल के आयुक्त पवन अरोड़ा, सचिव अल्पा चौधरी, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, निदेशक कानून लेखराज जाग्रत, मुख्य अभियंता (प्रथम) श्री केसी मीणा, (मुख्यालय) मनोज गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। नरेडको के वाइस प्रेसिडेंट अशोक पाटनी ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए काउंसिल ने राजस्थान आवासन मंडल को नोडल एजेंसी बनाया है। मंडल के सहयोग से पहले चरण में मंडल के अधीन प्रदेश भर में चल रही 150 से अधिक परियोजनाओं से जुड़े हजारों श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके पश्चात प्रदेश की अन्य संस्थाओं को जोड़ा जाएगा। डिप्टी डायरेक्टर नीलाभ गंगवार ने 'निपुण' के तहत दिए जा रहे अन्य फायदों को भी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद निर्माण श्रमिकों को 3 साल के लिए 2 लाख रुपए का निःशुल्क दुर्घटना बीमा भी करवाया जाएगा। आयुक्त ने बताया कि नवाचारों की कड़ी में आवासन मंडल ने देशभर में पहली पहली ऐसी संस्था बन जाएगा जो सरकारी, गैर सरकारी, देहाड़ी पर आने वाले, बिल्डरों के निर्माण श्रमिकों को नरेडको के सहयोग से प्रोफेशनल तरीके से प्रशिक्षित कराएगा। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण चल रहे काम के दौरान ऑन साइट ही दिया जाएगा, जिससे निर्माण कार्य भी बाधित नहीं होगा। पवन अरोड़ा ने बताया कि प्रशिक्षण समाप्ति पर श्रमिकों को नरेडको द्वारा प्रमाण पत्र एवं 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। इसमें मंडल पर कोई भी वित्तीय भार नहीं आएगा। इस प्रशिक्षण की सबसे बड़ी खास बात यह है कि प्रशिक्षण लेने के बाद श्रमिक अकुशल से कुशल की श्रेणी में आ सकेंगे, जिससे उनके मानदेय में भी बढ़ोतरी होगी। आयुक्त ने कहा कि अब तक उपेक्षित रहे श्रमिक तबके की ओर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया था। उनकी सुविधाओं एवं सुरक्षा के लिये भी कोई खास बंदोबस्त नहीं किया गया। ऐसे में मण्डल ने नरेडको से पहल कर यह खास कदम प्रदेश के निर्माण श्रमिकों के लिए उठाया। उन्होंने बताया कि कौशल प्रशिक्षण से ना केवल श्रमिकों के जीवन में सुधार आएगा बल्कि कार्य क्षमता और गुणवत्ता भी पहले से बेहतर हो सकेगी।

ऐसे अनूठे प्रशिक्षण के लिए आवासन मण्डल होगी देश की पहली संस्था

प्रशिक्षण से यह होगा श्रमिकों को लाभ

श्रमिकों को मिलेगा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं 500 रुपए का मानदेय

- प्रशिक्षण में सफल उम्मीदवारों को सरकार द्वारा दिया जाएगा सर्टिफिकेट।
- प्रशिक्षण के बाद निर्माण श्रमिकों के आत्मसम्मान में होगी बढ़ोतरी।
- अकुशल से कुशल श्रेणी में आने से मिलने वाला पारिश्रमिक भी बढ़ेगा।
- प्रशिक्षण के दौरान मिले सर्टिफिकेट को दिखाकर अन्य कार्यों में भी मिलेगी प्राथमिकता।
- प्रशिक्षण समाप्ति पर श्रमिकों को नरेडको द्वारा प्रमाण पत्र एवं 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी।
- प्रशिक्षण लेने वाले निर्माण श्रमिक निशुल्क दुर्घटना बीमा योजना से भी होंगे लाभान्वित।
- प्रशिक्षित श्रमिकों को नई स्किल सीखने के साथ नए उपकरणों और तकनीकों की भी मिलेगी जानकारी।
- ऑनसाइट प्रशिक्षण से बिना काम रूके मिल सकेगा प्रशिक्षण।
- व्यक्तिगत सुरक्षा की जानकारी से निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटनाओं में हो सकेगी कमी।

विद्यालय टहटड़ा मे शिक्षक-अभिभावक की मिटिंग सम्पन्न

लोकल कक्षाओं का सुनाया परिणाम

अंकतालिका की वितरित

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)/महेश चन्द मीना। अलवर के रैणी उपखण्ड क्षेत्र के सभी राजकीय स्कूलो मे 02 मई मंगलवार को शिक्षक-अभिभावक मिटिंग बुलाई गई और विधार्थियो की प्रोसेसिंग रिपोर्ट सुनाई गई। इसी क्रम मे मिडिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टहटड़ा के प्राचार्य रामचरण मीना व मुकुट ने बताया कि हमारे स्थानीय विद्यालय मे भी मंगलवार को शिक्षक अभिभावक मिटिंग सम्पन्न हुई और लोकल क्लास विधार्थियो का परिणाम सुनाया गया। प्राचार्य ने मिडिया को बताया कि कक्षा - 11 (कला वर्ग ही संचालित है विद्यालय मे) मे प्रिया कुमारी मीना , (खोहरा चौहान) ने 88.40 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा दूसरा स्थान स्नेहलता प्रजापत (78.40) टहटडा व तीसरा स्थान कोमल सैनी (टहटडा) ने प्राप्त किया , ये सभी कला वर्ग से ही है क्योंकि विधालय मे केवल कला वर्ग ही संचालित है तथा इसी तरह से 9 वी कक्षा मे प्रियंका बाई राजपूत (खोहरा चौहान) ने प्रथम स्थान तथा दूसरा स्थान 9 वी मे रिन्की मीना (टहटड़ा) और तीसरा स्थान नेहा मीना(टहटडा) के द्वारा प्राप्त किया गया। इस तरह से मंगलवार को पीटीएम सम्पन्न हुई। मिडिया को यह सारी जानकारी स्थानीय प्रधानाचार्य मुकुट बिहारी मीना व रामचरण मीना के द्वारा दी गई।

हुआ चयन: वेलकम आईटीआई में फिर हुआ केंपस प्लेसमेंट

करीब 25 विद्यार्थियों को मिला रोजगार, हुआ सलेक्शन

सितारा न्यूज नेटवर्क

हाथोज। हाथोंज क्षेत्र के वेलकम निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में केंपस प्लेसमेंट का आयोजन हुआ। 25 विद्यार्थियों का अंतिम रूप से चयन हुआ। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद रिक्रूटमेंट मैनेजर ने सभी को ऑफर लेटर दिए इस मौके पर अंतिम रूप से चयनित विद्यार्थियों को संस्था निदेशक रामनिवास चौधरी ने सभी छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना है। संस्था द्वारा समय-समय पर नेशनल वह मल्टीनेशनल कंपनिओं के द्वारा रोजगार के लिए कैंपस प्लेसमेंट करवाये जाते हैं सह निदेशक भागीरथ चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम मिलते हैं इसलिए छात्रों को रोजगार जब ही मिल पाता है जब उनमें काम करने की स्किल्स बढ़िया हो और प्रैक्टिकल ज्ञान अधिक दिया जाता है अभी तक 500 छात्र छात्राओं को केंपस प्लेसमेंट के तहत रोजगार उपलब्ध करवाया गया है, संस्था प्रधान नवरतन यादव तथा संस्थान के सभी अनुदेशकों ने बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन सुप्रीम टेक्नोकॉम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा रखा गया था। कैंपस प्लेसमेंट में कंपनी रिक्रूटमेंट मैनेजर भानु प्रताप सिंह और उनके सहयोगी सरोज सिंह द्वारा सभी विद्यार्थियों का प्रथम सिलेक्शन राउंड में लिखित परीक्षा व दितीय राउंड में साक्षात्कार लिया गया। इस कैंपस प्लेसमेंट में लगभग 100 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया जिसमें

विभागाध्यक्ष बनने पर डॉ. गुप्ता का किया अभिनंदन

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभाग के विभागाध्यक्ष बनने पर मंगलवार को मारवाड़ जन सेवा समिति की ओर से डॉ. गौरव गुप्ता का अभिनंदन किया गया। इस दौरान जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक हरि शंकर आचार्य, ट्रोमा सेंटर प्रभारी डॉ. एलके कपिल, डॉ. जितेन्द्र आचार्य, संजय रामावत, रमेश व्यास, अश्विनी, हरिकिशन राजपुरोहित तथा गोपाल जयमलसर आदि मौजूद रहे। समिति द्वारा साफा, शॉल, श्रीफल एवं बुके भेंट कर डॉ. गुप्ता का अभिनंदन किया गया। इस दौरान आचार्य ने कहा कि कोविड काल में ब्लेक फंगस के उपचार के दौरान डॉ. गुप्ता की सेवाएं सराहनीय रही। वहीं कॉक्लियर इंप्लांट के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर डॉ. गुप्ता ने बीकानेर का मान बढ़ाया है। डॉ. जितेन्द्र आचार्य ने कहा कि एम्स से अध्ययन कर चुके डॉ. गुप्ता की सेवाएं बीकानेर सहित पश्चिमी राजस्थान के विभिन्न जिलों के मरीजों को मिलेगी।

हादसा: शादी से ठीक पहले माता, पिता व भाई की मौत रोडवेज बस तीनों को 100 मीटर तक घसीट ले गई

जेसीबी से गाड़ी को उठा कर निकाले गए शव

भीलवाड़ा । भीलवाड़ा/शाहपुरा घर में 2 बेटियों की शादी की तैयारियां चल रही थीं। अचानक माता-पिता और भाई की मौत की खबर आई और मातम पसर गया। बस से कुचलकर तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बस उन्हें करीब 100 मीटर तक घसीट ले गई। हादसे के बाद बस का ड्राइवर और कंडक्टर भाग गए। मामला भीलवाड़ा के शाहपुरा का है। शाहपुरा थानाधिकारी राजकुमार नायक ने बताया कि फकरुद्दीन (45) पुत्र फतेह मोहम्मद सिलावट चित्तौड़गढ़ के भदेसर के रहने वाले थे। वर्तमान में वे भीलवाड़ा स्थित गांधी नगर में परिवार के साथ रहते थे। फकरुदीन की बड़ी बेटी जाहिदा (24) के ननद की मंगलवार को शादी है। इसी शादी समारोह में शामिल होने फकरुद्दीन बेटी के ससुराल बाइक से शाहपुरा जा रहे थे। बाइक पर उनके साथ पत्नी शमीम (34) और बेटा अली (17) भी था।

रोडवेज बस ने चपेट में लिया

मंगलवार सुबह करीब 11 बजे शाहपुरा से करीब 12 किमी दूर मांडल सांगानेर-मेगा हाईवे पर बडेसरा फैक्ट्री के पास रोडवेज ने पीछे से बाइक को चपेट में ले लिया। बस तीनों को 100 मीटर दूर तक घसीटते हुए लेकर गई। तीनों बस के नीचे दब गए और मौके पर ही मौत हो गई।

उदयपुर जा रही थी बस

रोडवेज बस जयपुर से रवाना होकर शाहपुरा, भीलवाड़ा होते हुए उदयपुर जा रही थी। राहगीरों ने बताया कि ड्राइवर रोडवेज बस को काफी तेज स्पीड में चला रहा था। शाहपुरा और भीलवाड़ा के बीच प्राइवेट और रोडवेज बसों के बीच सवारियां लेने की होड़ लगी रहती है।

12 मई को थी दो बेटियों की शादी

फकरुद्दीन के दो बेटे और तीन बेटियां हैं। बड़ा बेटा राजू उर्फ अनीस (22) और छोटा बेटा अली (17)। अली की हादसे में मौत हो गई। बड़ी बेटी जाहिदा (24) की शादी शाहपुरा में हो चुकी है। दो बेटियां तैयाबा (22) और साहिबा (19) की 12 मई को शादी होने वाली थी।

जेसीबी से बस को ऊपर उठाकर शव निकाला

हादसे की सूचना पर एएसपी चंचल मिश्रा, थाना अधिकारी राजकुमार नायक फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में फुलिया खुर्द सरपंच कालूराम जाट, ढिकोला के पूर्व सरपंच गणपत खटीक भी हॉस्पिटल पहुंच गए थे। जेसीबी से बस को ऊपर करवाकर शवों को निकाला गया। शवों को शाहपुरा जिला हॉस्पिटल में रखवाया गया है।

जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन के लिए संसाधनों की नहीं आएगी कोई कमी : मंत्री

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्व मंत्री श्री रामलाल जाट ने मंगलवार को भीलवाड़ा के पीथास में आयोजित महंगाई राहत कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को महंगाई से राहत देने के लिए लाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य सरकार की योजनाओं में युवाओं, विद्यार्थियों, किसानों, मजदूरों एवं महिलाओं सहित हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। मंत्री श्री जाट ने कहा कि इन कैंपों के माध्यम से आमजन को महंगाई से राहत मिलेगी और परिवार की बचत भी बढ़ेगी। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को गारंटी कार्ड वितरित किए साथ ही आमजन की समस्याओं को सुना और निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी

राजस्व मंत्री श्री जाट ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से राजस्थान स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से आमजन को महंगे उपचार की चिंता से मुक्ति मिली है। महंगी जांचें एवं दवाईयां आमजन को निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में कानून बनाकर जनता को स्वास्थ्य का अधिकार देने से राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में उभर कर आया है।

न्यू आदर्श ग्रुप के चेयरमैन मनोज शर्मा ब्राह्मण रत्न 2023 से सम्मानित

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए मिला सम्मान

जयपुर। राजस्थान स्थित भैरों सिंह शेखावत सभागार राजस्थान चेम्बर ऑफ कॉमर्स जयपुर में सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा ब्राह्मण रत्न सम्मान समारोह आयोजित किया। न्यू आदर्श ग्रुप ऑफ स्कूल एंड कॉलेज के चेयरमैन मनोज शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर ब्राह्मण रत्न 2023 से सम्मानित किया गया। मनोज शर्मा ने ब्राह्मण रत्न मिलने पर सभी समाज बंधुओं वह शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत सभी लोगों का और अपने परिवारजनों का आभार जताया और कहा कि आप सभी का आशीर्वाद हमेशा मेरे ऊपर ऐसे ही बना रहे जिससे में रोज नए कीर्तिमान स्थापित कर सकूं। मनोज शर्मा को ब्राह्मण रत्न से सम्मानित होने पर दिन भर बधाई देने वालों का ताता लगा रहा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रमोद कुमार शर्मा के लिए पूजा प्रिंटर्स सी-4, सुदर्शनपुरा, इंडस्ट्रीज एरिया, जयपुर से मुद्रित एवं 23, गोपी नगर, नियर कुकरखेड़ा मंडी गेट शरद कांटा गली, मुरलीपुरा, जयपुर से प्रकाशित किया जाता है। संपादक प्रमोद कुमार शर्मा। पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा। संपादक : प्रमोद कुमार शर्मा, मों. 8504812999 ई-मेल : Viksa.pramod999@gmail.com